डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

# गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 54 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शुक्रवार 06 दिसम्बर 2024 | मूल्य 2 रुपया


## अब मंगलवार को थानों पर होगी जनसुनवाई

**मंदसौर, 05 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** हर मंगलवार को थाना स्तर पर भी जनसुनवाई की जाएं इनमें आने वाली शिकायतों पर निष्पक्ष होकर फौरन कार्रवाई सुनिश्चित करें, ताकि आम आदमी परेशान न हों। पुलिस की ओर से आम लोगों को दी जा रही सभी तरह की सिटीजन सेंट्रिक सर्विसेज का रिव्यू करें और इनमें और कौन सी सेवाएं जोडी जा सकती हैं, ये तय किया जाए।

प्रदेश के नए डीजीपी श्री कैलाश मकवाना ने यह निर्देश मप्र के सभी पुलिस अधीक्षकों और जोनल आईजी को दिए हैं। कहा है कि पुलिस स्टेशन पर सबसे ज्यादा आमजन पहुंचते हैं, इसलिए निचले स्टाफ को आमजन से अच्छा व्यवहार करने के लिए ताकीद करें। सख्ती केवल बदमाशों से हो। अफसर समय-समय पर अपने कार्यक्षेत्र में औचक निरीक्षण करें और सुपरविजन नोट भी दें। अच्छा काम करने वाले पुलिसकर्मियों को रिवॉर्ड दें, लेकिन बुरे को दंडित करना भी जरूरी है।

# रिकार्ड तोड़ता प्रभारी आरटीओ..!

## बाबू से आरटीआई और प्रभारी आरटीओ का सफर

**मंदसौर, 05 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** वैसे तो मंदसौर जिले का मोह नहीं छोड़ने जैसी कई खबरें अधिकारी-कर्मचारियों की आती रहती है। लेकिन, सबका रिकॉर्ड तोड़ रहा है परिवहन विभाग का प्रभारी आरटीओ वीरेंद्रसिंह यादव। जी हां.. शुरुआत एक बाबू के रूप में 90 के दशक में वीरेंद्रसिंह यादव ने मंदसौर से ही की थी। लेकिन, इसके बाद विभागीय परीक्षा देने पर प्रमोशन और फिर प्रभारी के रूप में आरटीओ की कुर्सी तक पहुंचे। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मंदसौर से मोह नहीं छूटा। इधर-उधर स्थानांतरण के बाद जुगाड़-तुगाड़ कर वापिस मंदसौर पहुंच गए। इसी का परिणाम है कि जिला परिवहन विभाग के दलाल हो या विभाग में खेल करने वाले कुछ कारिंदे, सभी से तगड़े मेल जोल की खबरें सामने आती रहती है। यही मेल जोल नियम कायदों का सौदा करने के काम आ रहे हैं।

### यह हो रहा जनता-सरकार को नुकसान...

एक तरफ सरकार लंबे समय से एक ही जिले में पदस्थ अधिकारी-कर्मचारियों को इधर उधर करने की प्रक्रिया कर रही है। जिससे अनियमितताओं और भ्रष्टाचार पर लगाम लग सके। इधर वीरेंद्र यादव जैसे अधिकारियों को शिवना का पानी खासा रास आ रहा है। बाबू से प्रभारी आरटीओ के सफर में दलालों से लेकर भ्रष्टाचार के आरोपो से लिप्त कुछ कर्मचारियों से जुगलबंदी आम जनता के साथ सरकार को भी नुकसान कर रही है। लाईसेंस से लेकर अन्य कई काम दलालों के बिना नहीं हो रहे हैं। इसके अलावा बिना टैक्सी परमिट के आरटीओ विभाग और कई सरकारी विभागों में अटैच वाहन सरकार को राजस्व का नुकसान पहुंचा रहे हैं। यह सिर्फ एक उदाहरण है। ऐसे कई मामले हैं, जिसमें परिवहन विभाग की लापरवाही के कारण सरकार को राजस्व का नुकसान हो रहा है।

**नहीं छूटा मोह, इधर-उधर घूम वापिस पहुंचे मंदसौर**

### कईयों के हुए स्थानांतरण, लगाया जुगाड़...

लगभग 1995 के आसपास वीरेंद्रसिंह यादव ने बाबू के रूप में परिवहन विभाग में सेवाए देना शुरु की। इसके बाद लंबा समय मंदसौर में गुजारा। लगभग 2005 में विभागीय परीक्षा देने के बाद ट्रांसपोर्ट सर्विस इंस्पेक्टर बने। इसके बाद स्थानांतरण होने के बाद रिजनल ट्रांसपोर्ट इंस्पेक्टर के रूप में अन्य जिलों में सेवाए दी। लेकिन, मंदसौर का मोह नहीं छूटा। वर्ष 2022 में आखिरकार जुगाड़- तुगाड़ कर वापिस मंदसौर पहुंचे। यहां प्रभारी आरटीओ के रूप में कुर्सी भी मिल गई।

# एक पखवाड़े बाद बढ़ेगी ठंड, दिन का तापमान बढ़ा

**मंदसौर, 05 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। उत्तर भारत से आ रही बर्फीली हवा के कारण रात की ठंडक बनी हुई है। वहीं दिन के तापमान में लगातार थोड़ी-थोड़ी बढ़ोतरी हो रही है। आगामी दो दिनों तक ये स्थिति बनी रहने की संभावना है। इसके बाद न्यूनतम तापमान में गिरावट हो सकती है। यह 8 डिग्री तक पहुंच सकता है। हालांकि, कड़ाके की ठंड एक पखवाड़े बाद अर्थात 19-20 दिसंबर से पड़ने की संभावना बताई गई है।**

गुरुवार को जिले में अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 12.5 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ था। मौसम वैज्ञानिक वीएस यादव के अनुसार फेंगल तूफान की वजह से पूरे प्रदेश में बादल छाए हुए हैं, जिसके कारण बुधवार को भी मौसम ऐसा ही रहा। इस बादल वाले मौसम के कारण रात के तापमान में बढोतरी देखी गई है। तूफान का असर अगले 2 दिन तक और बना रह सकता है। इसके बाद, रात का तापमान तेजी से गिरने लगेगा।

प्रदेश में उत्तरी हवाओं की रफ्तार बढ़ गई है, जो औसतन 8 से 12 किमी प्रति घंटा के बीच चल रही हैं। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिम-उत्तर भारत में 12.6 किमी की उंचाई पर जेट स्ट्रीम हवाएं 268 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चल रही हैं। जैसे-जैसे इन हवाओं की उंचाई कम होगी, प्रदेश में ठिठुरन बढने की संभावना है। इसके प्रभाव से दिन और रात के तापमान में भारी गिरावट देखने को मिल सकती है।

मौसम वैज्ञानिको के मुताबिक, अगले 15 दिनों तक मौसम में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। 20 दिसंबर से कड़ाके की ठंड का दौर शुरू होगा, जो जनवरी तक जारी रहेगा। इस अवधि में 20 से 22 दिन कोल्ड वेव यानी सर्द हवाओं की स्थिति बन सकती है। सबसे ज्यादा ठंड उज्जैन और ग्वालियर-चंबल संभाग में महसूस की जाएगी। दूसरे पखवाड़े में बारिश की भी संभावना जताई जा रही है।

## नदी जोड़ो लिंक परियोजना को मिली सहमति, जिले को भी होगा लाभ

**मंदसौर, 05 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** पार्वती-कालीसिंध- चंबल लिंक परियोजना का काम अब तेजी से बढ़ेगा। परियोजना के लिए मप्र-राजस्थान के बीच मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग के बाद अब मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर की सहमति बन गई है।

महत्वपूर्ण बात यह है कि इससे मंदसौर जिले को भी लाभ होगा। प्रदेश में बांध, बैराज बनाने के लिए मप्र के हिस्से के 36 हजार 800 करोड़ रुपए की प्रशासकीय मंजूरी सरकार 15 दिन में जारी कर देगी। सीएम डॉ. मोहन यादव ने कैबिनेट बैठक में यह जानकारी दी। परियोजना से मध्यप्रदेश के 11 जिलों के 2094 गांवों में लगभग 6 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई होगी। पेयजल एवं औद्योगिक आपूर्ति के लिए भी पानी मिलेगा। 40 लाख परिवारों के लाभान्वित होने का अनुमान है। बैठक के बाद मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि मप्र में कुल 21 बांध और बैराज बनेंगे। योजना का लाभ गुना, शिवपुरी, सीहोर, देवास, राजगढ, उज्जैन, आगर मालवा, इंदौर, शाजापुर, मंदसौर और मुरैना जिलों को मिलेगा। समीपस्थ जिलों तक भी लाभ पहुंचाने का प्रयास होगा।

# चेनपुरिया और रावलीकुड़ी में सूखी घास में लगी आग

## चीता प्रोजेक्स के बाड़े भी इस क्षेत्र में, तेंदुओं की शिफ्टिंग का कार्य भी पूर्ण नहीं

**मंदसौर, 05 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** गांधी सागर वन्य अभ्यारण्य क्षेत्र में आगजनी की घटना से अब चीता प्रोजेक्ट में भी देरी होने की आशंका है। हालांकि, आग पर समय रहते काबू पा लिया गया। लेकिन, इस घटना ने चिंता में तो डाल ही दिया है। गुरुवार दोपहर चेनपुलिया और रावलीकुड़ी में सूखी घास में आग लग गई। चीता प्रोजेक्ट के बाड़े भी इसी क्षेत्र में है। इसलिए अब यह कहा जा रहा है कि चीता प्रोजेक्ट की राह में कई रोडे सामने आ रहे हैं। तेंदुओं से चीतों को खतरा है। उन्हें शिफ्ट करने का काम अभी पूरा नहीं हो पाया है। वही चीतों के लिए भोजन व्यवस्था भी अभी पूरी तरह से नहीं हो पाई है। चिकित्सा व अन्य सुविधाए मुहैया की जाना बाकी है। इस बीच एक और तनाव आगजनी के रूप में सामने आया है। चीतो के बाड़े में मौजूद सूखी घास में आग लग गई। जिसको बुझाने के लिए खासी मशक्कत करना पड़ी। इसके बाद वन विभाग के अधिकारी और प्रशासनिक अधिकारी सक्रिय हुए और आग पर काबू पाया।

गांधीसागर अभयारण्य के नीमच जिले के चेनपुरिया और रावलीकुडी गांव में सूखी घास में आग लग गई थी। चीता प्रोजेक्ट के लिए बनाए गए बाड़े भी इसी क्षेत्र में है। आग तेजी से बढ़ती गई। आग लगने से उठा धुआं काफी दूर से दिखाई दे रहा था। आग बुझाने के लिए वन विभाग के कर्मचारी लंबे समय तक तक जुटे रहे। वन परिक्षेत्र गरोठ, भानपुरा, मंदसौर, रामपुरा, मनासा के साथ-साथ गांधीसागर पूर्व और पश्चिम गेम रेंज के अधिकारी भी इसमें शामिल थे। इसके अतिरिक्त अधीक्षक और उपवनमण्डल अधिकारी भी आग बुझाने में सहयोग करते नजर आए। नीमच कलेक्टर के समन्वय से और अनुविभागीय अधिकारी मनासा के मार्गदर्शन में फायर बिग्रेड की टीम भी मौके पर पहुंची। मनासा और भानपुरा के फायर ब्रिगेड कर्मचारियों ने आग पर काबू पाने के लिए खासी मशक्कत करना पडी। इसके अलावा, रावलीकुडी, बुज और आसपास के गांवों के ग्रामीण भी आग बुझाने में मदद करते नजर आए।

### तीस करोड़ खर्च कर बनाए है 6 हजार 400 हेक्टेयर में बाड़े...

अभयारण्य में 6 हजार 400 हेक्टेयर में चीतों के लिए बाड़े बनकर तैयार हैं। इनमें आठ क्वारंटाइन बाड़े भी हैं, जहां शुरुआत में चीतों को रखा जाएगा। यहां 12 हजार 500 गड्ढे खोदकर हर तीन मीटर की दूरी पर लोहे के पाइप लगाए हैं। इन पिलर पर तार फेंसिंग के साथ लोहे से 28 किलोमीटर लंबी और 10 फीट उंची दीवार बनाई जा रही है। इसके 3 फीट ऊपर सोलर तार लगाए गए हैं। इनसे सोलर सिस्टम से बिजली सप्लाई होगी। किसी स्थिति में चीतों ने बाड़ा क्रॉस करने की कोशिश की, तो उन्हें करंट का झटका लगेगा। दीवार के हर 7 किलोमीटर की दूरी पर सोलर पॉइंट बनाए गए हैं। इससे दीवार के ऊपर लगाए तार में करंट प्रवाहित किया जाएगा। बाड़े का काम करीब-करीब पूरा हो गया है। गांधीसागर वन अभयारण्य 369 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला है। 28 किलोमीटर लंबे बाड़े की जाली लगाने में करीब 17 करोड 70 लाख से अधिक की लागत आई है। वन क्षेत्र में कैमरे भी लगाए गए हैं। प्रोजेक्ट में 30 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे है।

### तेंदुओं की शिफ्टिंग भी बाकी...

गांधीसागर अभयारण्य के रामपुरा पठार में अफ्रीका से चीतों को लाना है। यह प्रोजेक्ट कछुआ चाल से चल रहा है। निर्माण संबंधी सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई लेकिन चीतों के इलाज के लिए विशेषज्ञ चिकित्सक, भोजन के लिए चीतल लाने एवं उन्हें बचाने के लिए तेंदुओं को शिफ्ट करने जैसी कई प्रक्रिया अधूरी है। डब्ल्यूआईआई की रिपोर्ट के अनुसार 22 तेंदुओं को शिफ्ट करना है। लेकिन, अब तक 13 ही शिफ्ट हो पाए हैं। ऐसे में अब विभाग ने बाड़े को 3 हिस्सों में बांट दिया है। एक से तेंदुओं को शिफ्ट किया जा रहा है। लेकिन, उसमें भी अभी 2-3 तेंदुए बाकी हैं। ऐसे में जल्द चीते आते नहीं दिख रहे।

**मेले से जाने लगे व्यापारी-** मंदसौर श्री पशुपतिनाथ जी के कार्तिक मेले में बाहर से आने वाले झूले चकरी वाले अब शहर को अलविदा कहते हुए दूसरी जगह जाने के लिए अपना सामान ट्रक में भरकर रवाना होने लगे हैं। बता दें कि झूले-चकरी वालो का पहले से ही अन्य स्थान पर जाने का तय रहता है। लेकिन, हर साल मेला कुछ दिनो के लिए बढ़ने से वे 4-5 दिन एक्सट्रा रुक जाते है। हालांकि, इस कवायद में उनको आगे के मेले में देरी हो जाती है।

# सीमांकन की रिपोर्ट देने के लिए पटवारी ने मांगी रिश्वत..!

## पंचायत भवन में 40 हजार रुपए लेकर पैंट की जेब में रखे, लोकायुक्त ने रंगे हाथों पकड़ा

**रतलाम, 05 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** पंचायत कार्यालय में रिश्वत लेते पटवारी को उज्जैन लोकायुक्त की टीम ने रंगेहाथो दबोचा है। पटवारी ने जमीन सीमांकन के बाद पटवारी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए 50 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी। तय प्लान के मुताबिक पटवारी को 40 हजार रुपए देते ही गुरुवार दोपहर उज्जैन लोकायुक्त की टीम ने पटवारी गिरफ्तार कर लिया। पटवारी ने रिश्वत राशि अपने हाथ में लेकर पैंट की जेब में रखी।

उज्जैन लोकायुक्त की यह कार्रवाई जिला मुख्यालय से 15 किमी दूर गांव पंचेड़ में हुई है। लोकायुक्त डीएसपी सुनील तालान ने बताया कि पंचेड़ निवासी गोपाल पिता बालमुकुंद उपाध्याय ने शिकायत की थी। भूमि के सीमांकन उपरांत पटवारी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के एवज में राशि मांग फायदा कराने की बात कही। शिकायत के आधार पर प्लान तय कर गुरुवार दोपहर ग्राम पंचायत भवन

में रिश्वत लेते पटवारी रमेशचंद्र बैरागी को रंगे हाथों पकड़ा है। बताया गया है कि पटवारी ने रिश्वत में 50 हजार रुपए मांगे थे। पहले 40 हजार रुपए देना तय हुआ। 10 हजार बाद में देने को कहा। लोकायुक्त के तय प्लान के बाद फरियादी गोपाल ने पटवारी बैरागी को पंचेड़ के ग्राम पंचायत भवन बुलाया। यहां पर रिश्वत दी। रुपए लेकर पटवारी ने अपनी पेंट की जेब में रख लिए। पहले से मौजूद लोकायुक्त टीम को इशारा मिलते ही पटवारी को रुपए के साथ गिरफ्तार कर लिया। लोकायुक्त ने आरोपी पटवारी रमेश बैरागी के खिलाफ धारा 7 भ्रष्ट ाचार निवारण अधिनियम 1988 (संसोधन 2018 ) के अधीन मामला दर्ज कर लिया है। कार्रवाई में डीएसपी सुनील तालान एवं राजेश पाठक, हेड कांस्टेबल हितेश लालावत, कांस्टेबल संदीप कदम, श्याम शर्मा, इसरार खान, कमल पटेल आदि शामिल थे।

## अंतरिक्ष में भारत की नई छलांग..!

## इसरो ने सूर्य के रहस्यों से पर्दा उठाने के लिए लॉन्च किया मिशन प्रोबा-3

**नई दिल्ली, 05 दिसम्बर।** भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन इसरो ने आज यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के प्रोबा-3 मिशन को लॉन्च कर दिया है। यह मिशन सूर्य के बाहरी वातावरण कोरोना का अध्ययन करेगा। इस मिशन में दो उपग्रहों को एक साथ छोडा गया। बता दें कि यह प्रक्षेपण इसरो के पीएसएलवी-सी59 रॉकेट से किया गया। यह इसरो का 61वां पीएसएलवी मिशन है।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने एक्स पर पोस्ट करके जानकारी दी कि PSLV-C59 ने अंतरिक्ष की ओर उड़ान भरकर एक नया इतिहास रच दिया है। यह मिशन NSIL के नेतृत्व में और खड्ठज की अग्रणी तकनीक के सहयोग से एडअ के अत्याधुनिक PROBA-3 उपग्रहों को अंतरिक्ष में स्थापित करने का एक महत्वपूर्ण कदम है। यह अंतर्राष्ट्रीय सहयोग का एक उत्कृष्ट उदाहरण है और भारत की बढ़ती अंतरिक्ष क्षमताओं को प्रदर्शित करता है।

# मजदूर नहीं मशीनों से हो रहा था मनरेगा का काम, इंजीनियर को नोटिस

**मंदसौर, 05 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** मल्हारगढ़ जनपद के ग्राम पंचायत ढाबला में चल रहे मनरेगा के काम में मजदूरो की बजाय मशीनों का उपयोग किया जा रहा था। इस संबंध में शिकायत मिलने के बाद जांच कराई गई। यहां पहुंचकर करवाई की गई। इसके बाद इंजीनियर को नोटिस देकर जवाब तलब किया गया है।

जनपद पंचायत मल्हारगढ में बीती 30 नवंबर को ग्राम ढाबला स्थित शासकीय भूमि में एल एन टी मशीन के माध्यम से परकोलेशन टेंक की खुदाई का कार्य किया जा रहा था। शिकायत मिलने पर मौके पर पहुंचकर अधिकारियों ने खुदाई कार्य बंद करवाया। खुदाई कार्य में प्रयुक्त एल एन टी मशीन एवं चार ट्रेक्टर जप्त किये। कार्य मनरेगा योजना से स्वीकृत था। जिस पर जॉबकार्डधारी परिवारों द्वारा उनकी मांग अनुसार कार्य दिया जाकर कार्य कराये जाने का प्रावधान है।

इस संबंध में सहायक यंत्री स्वाति कसौट को नोटिस जारी किया गया है। नोटिस में कहा गया है कि कार्य में प्रयुक्त मशीन से स्पष्टप्रतित होता है कि आप द्वारा मनरेगा योजना अंतर्गत ग्राम पंचायतों में चल रहे कार्यों कीं नियमित मानिटरिंग नही की जाकर अपने पदीय कर्तव्यों का पालन करने में लापरवाही बरती जा रही है।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मल्हारगढ़ के प्रतिवेदन अनुसार उक्त कार्य पर मशीन का प्रयोग किया जाना योजना के नियमों का उल्लंघन होकर शासन नियमों के विपरीत है। उक्त स्वीकृत कार्य का कब- कब किस-किस दिनांक को भ्रमण कर कार्य का सत्यापन किया गया, संबंधी ब्यौरा प्रस्तुत करें।

# मुख्यमंत्री चयन के लिए बारह दिन लगने से भाजपा संगठन की साख घटी...

**मंदसौर/उज्जैन, 05 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** महाराष्ट्र चुनाव के नतीजे की घोषणा के बाद से राज्य की भाजपा से लेकर केंद्रीय इकाई तक में विधायक दल के नेता के चयन के लिए जितना भी राजनीतिक घटनाक्रम चला, उसने भाजपा संगठन की साख पर नकारात्मक असर डाला है। बहुमत इतना था कि नतीजे घोषित होने वाले दिन ही नेता के नाम की घोषणा हो जाना थी। ऐसे में बारह दिन का समय लगना निश्चित ही भाजपा के आलोचकों के लिए अवसर बन गया है। महायुती के नेतृत्व ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि जिस दल के अधिक विधायक होंगे, उस दल का नेता बनेगा। स्वाभाविक था कि भाजपा से ही कोई बनेगा। उजागर नाम भी देवेंद्र फडणवीस का था, घोषित भी हुआ पर 12 दिन का समय लेकर जो देश के भाजपा समर्थकों को विचलित कर गया।

चन्द्रमोहन भगत

एनडीए के वर्तमान शीर्ष नेतृत्व के दौर में भी कई राज्यों के साथ देश की जनता ने स्पष्ट देखा है कि बीते समय हुए राज्यों के चुनाव में इसी नेतृत्व ने नतीजे के बाद तय तारीख पर अपने मनचाहे विधायकों को राज्यों का मुख्यमंत्री बना दिया था। मध्य प्रदेश में डॉ मोहन यादव के नाम की पर्ची निकलने पर पूर्व मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान खुश तो कतई ही नहीं थे। ऐसा ही हाल राजस्थान में भजन लाल शर्मा के नाम की पर्ची निकालने पर वसुंधरा राजे सिंधिया का था। छत्तीसगढ़ में जरूर केंद्रीय मंत्री रहे विष्णु देव साय के नाम पर इतना अचरच किसी ने भी जाहिर नहीं किया था। महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस के नाम पर भी किसी को कोई आपत्ति नहीं थी, मालूम भी सभी को था। इसलिए 12 दोनों का समय लगने से बात का बतंगड बन गया।

इसके पहले संगठन में इस तरह की उहापोह की स्थिति कभी नहीं बनी थी। पहले भी 2014 में फडणवीस के नाम की घोषणा की थी, तब भी नितिन गडकरी और एकनाथ खडसे नए कपड़ों के साथ तैयारी किए बैठे थे। देश के जिस राज्य में भाजपा की सरकार बनी है, वहां-वहां जो भी नाम हाई कमान नेता तय करते आ रहे हैं कहीं भी अंतर विरोध या अन्य किसी कारण टालमटोल जैसी स्थिति न बनकर सौहाद्र का वातावरण बनता रहा है। यही कारण रहा कि पहले भी भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री आसानी से बनते रहे थे। फिर चाहे नाम एकदम नया हो या कोई अनुभवी वरिष्ठ विधायका महाराष्ट्र राज्य ऐसा राज्य रहा है जहां नेता का नाम मुख्यमंत्री से बड़ा और पहले से तय था। पर घोषित होने के लिए 12 दिनों का समय लगना जरूर चर्चा का विषय बना हुआ है।

# विचार-मंथन

# मुआवजे में बढ़ोतरी और भुगतान की मांग

किसानों की समस्याओं और उनकी मांगों पर पारदर्शी ढंग से बातचीत और समाधान न हो पाने का ही नतीजा है कि वे बार-बार आंदोलन की राह पर चल पड़ते हैं। गौतम बुद्ध नगर और उसके आसपास के जिलों के किसान इसीलिए एक बार फिर दिल्ली की तरफ कूच कर गए और सोमवार को दिन भर लोगों को यातायात में बाधा से जूझना पड़ा। दिल्ली-नोएडा सीमा पर भारी पुलिस बल तैनात होने और अवरोधक लगाए जाने के बावजूद किसान नहीं रुके। हालांकि शाम होते-होते उन्होंने अपना फैसला बदल लिया और कहा कि सरकार से बातचीत में अगर संतोषजनक नतीजे नहीं निकलते हैं, तो वे दिल्ली की तरफ फिर से कूच करेंगे। ये किसान कई वर्ष से अव्यावहारिक ढंग से निर्धारित किए गए मुआवजे में बढ़ोतरी और भुगतान की मांग कर रहे हैं। इससे पहले भी कई बार वे दिल्ली की तरफ बढ़ने का प्रयास कर चुके हैं। उत्तर प्रदेश सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश करते रहे हैं, मगर उनकी मांगों पर ठीक से विचार नहीं किया गया। दरअसल, अलग-अलग सरकारों के समय अलग-अलग मुआवजा नीति के तहत नोएडा के किसानों से ली गई जमीन का भुगतान किया गया। उनमें बहुत सारे किसानों को उचित मुआवजा नहीं मिल पाया, जिसे लेकर वे आंदोलन करते रहे हैं। विकास परियोजनाओं के लिए ली गई जमीन के मुआवजा भुगतान में अपारदर्शिता की शिकायतें अक्सर मिलती रही हैं। उनके निपटारे पर गंभीरता नहीं दिखाई जाती, जिसके चलते हजारों किसान लंबे समय से परेशानियों का सामना कर रहे हैं। यों तो सरकारें किसानों की आय बढ़ाने, आपदा के समय उनकी फसल का उचित मुआवजा दिलाने, फसल बीमा, किसान कर्ज में सहूलियत, भूमिहीन किसानों के लिए रोजगार, जमीन के मुआवजे का उचित भुगतान आदि के दावे बढ़-चढ़ कर करती हैं, मगर हकीकत यही है कि भ्रष्टाचार के कारण किसानों तक वाजिब रकम नहीं पहुंच पाती। गौतमबुद्ध नगर के किसान पिछले दस वर्षों में अधिग्रहीत भूमि का बाजार मूल्य से चार गुना अधिक भुगतान करने, उससे पहले यानी पुरानी अधिग्रहण नीति के तहत ली गई जमीन का बढ़ी हुई कीमत पर भुगतान करने, इन मांगों के संबंध में गठित उच्चाधिकार प्राप्त समिति की सिफारिशों को लागू करने आदि की मांग कर रहे हैं। ये ऐसे मुद्दे नहीं हैं, जिन पर किसानों के साथ तार्किक ढंग से बात न की जा सके। इस मामले में प्रशासनिक शिथिलता के कारण किसान धुंधलके में बने हुए हैं। दरअसल, किसानों की समस्याओं पर कोई भी सरकार संवेदनशील नजर नहीं आती। न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी का मुद्दा पुराना है। इसे लेकर किसान लंबे समय तक धरने पर बैठे रहे। प्रधानमंत्री ने उन्हें आश्वासन दिया कि इस मामले में शीघ्र निर्णय किया जाएगा और किसानों ने धरना वापस ले लिया था। मगर अब तक उस दिशा में कोई कदम आगे नहीं बढ़ाया जा सका है। इस वजह से कई बार पंजाब और हरियाणा के किसान दिल्ली कूच को निकल चुके हैं, जिन्हें रोकने के लिए पुलिस को शक्ति प्रदर्शन करना पड़ा। अपनी समस्याओं को लेकर मांग उठाना किसानों का संवैधानिक अधिकार है। मगर सरकारों से अपेक्षा की जाती है कि वे उनकी मांगों पर संजीदगी दिखाएं। दोनों के बीच जब-तब जोर आजमाइश की कोशिशों से आखिरकार आम लोगों को नाहक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। किसानों की समस्याओं के निपटारे के लिए कोई पारदर्शी और व्यावहारिक तंत्र क्यों नहीं बनना चाहिए?

# दिल्ली में केजरीवाल क्यों नहीं चाहते कांग्रेस का साथ?

**पवन उप्रेती**



आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने ऐलान किया है कि उनकी पार्टी दिल्ली में कांग्रेस के साथ मिलकर विधानसभा का चुनाव नहीं लड़ेगी। यह फैसला आम आदमी पार्टी और केजरीवाल की राजनीति को समझने वालों के लिए ज्यादा हैरान करने वाला नहीं है लेकिन कांग्रेस के लिए एक बड़े झटके की तरह जरूर है। कांग्रेस आम आदमी पार्टी से बड़ा राजनीतिक दल है। आप ने एक झटके में गठबंधन से इनकार करने का ऐलान कर कांग्रेस को दिखाने की कोशिश है कि उसे दिल्ली में उसकी कोई जरूरत नहीं है। दिल्ली में आम आदमी पार्टी 2013 के विधानसभा के चुनाव के बाद कांग्रेस के साथ मिलकर सरकार भी बना चुकी है हालांकि तब यह सरकार सिर्फ 49 दिन तक ही चली थी और केजरीवाल के मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा देने की वजह से सरकार गिर गई थी।

## दल मिले थे दिल नहीं

लोकसभा चुनाव 2024 में जब इंडिया गठबंधन बना था तो कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में गठबंधन किया था। यह गठबंधन भी काफी ना-नुकुर के बाद हुआ था लेकिन फिर भी दोनों दल मिलकर चुनाव लड़ने पर राजी हुए थे। दिल्ली और हरियाणा में भले ही दोनों दलों ने गठबंधन किया था लेकिन पंजाब में दोनों ने अकेले-अकेले चुनाव लड़ा था। मतलब दल साथ आए थे इन नेताओं के दिल आपस में नहीं जुड़े थे। दिल्ली की सात सीटों में से आम आदमी पार्टी ने चार और कांग्रेस ने तीन सीटों पर चुनाव लड़ा था लेकिन पूरी ताकत लगाने के बाद भी गठबंधन एक भी सीट नहीं जीत पाया और बीजेपी को सभी सीटों पर जीत मिली थी। दिल्ली में विधानसभा की 70 सीटें हैं। 2015 और 2020 के विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की एकतरफा लहर चली थी। 2015 के विधानसभा चुनाव में पार्टी ने 67 जबकि 2020 के विधानसभा चुनाव में 62 सीटों पर जीत दर्ज की थी।

## दिल्ली में कमजोर खिलाड़ी है कांग्रेस

आप के कांग्रेस से गठबंधन न करने की पहली बड़ी वजह यह है कि दिल्ली में कांग्रेस एक कमजोर खिलाड़ी है। पार्टी 2015 और 2020 के विधानसभा चुनाव में अपना खाता भी नहीं खोल पाई। 2020 के विधानसभा चुनाव में तो अधिकतर सीटों पर उसकी जमानत जब्त हो गई थी। केजरीवाल इस बात को अच्छी तरह जानते हैं कि उन्हें कांग्रेस से गठबंधन करके दिल्ली विधानसभा चुनाव में कोई बहुत बड़ा सियासी फायदा नहीं हो सकता।

## बीजेपी से मिल रही कड़ी चुनौती

इस बार आम आदमी पार्टी को बीजेपी से कड़ी चुनौती मिल रही है। बीजेपी 2015 और 2020 के विधानसभा चुनाव में बुरी तरह हारने के बाद दिल्ली में नई रणनीति के साथ काम कर रही है। वह अपने तमाम बड़े नेताओं को चुनाव मैदान में उतार रही है। दिल्ली से सटे राज्य हरियाणा और फिर महाराष्ट्र में जीत के बाद पार्टी के हौसले बुलंद हैं। बीजेपी ने लोकसभा चुनाव में पूर्व सांसद प्रवेश साहिब सिंह वर्मा, मीनाक्षी लेखी और रमेश बिधूड़ी का टिकट काट दिया था। माना जा रहा है कि पार्टी इन तीनों ही नेताओं को विधानसभा चुनाव के मैदान में उतारकर उनके सियासी अनुभव का फायदा लेना चाहती है। इसके अलावा पिछले कुछ महीनों में आम आदमी पार्टी के कई बड़े नेताओं ने पार्टी का साथ छोड़कर बीजेपी का हाथ पकड़ लिया है। ऐसे नेताओं में पूर्व मंत्री कैलाश गहलोत, विधायक ब्रह्म सिंह तंवर प्रमुख हैं। पूर्व मंत्री राज कुमार आनंद, पूर्व विधायक वीणा आनंद के साथ कुछ और नेता भी बीजेपी में शामिल हो गए थे।

## आबकारी घोटाले का साया और स्वाति मालीवाल प्रकरण

दिल्ली में आम आदमी पार्टी और केजरीवाल के सामने कथित आबकारी घोटाला और स्वाति मालीवाल प्रकरण बड़ी चुनौती है। अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह जैसे बड़े नेता कथित आबकरी घोटाला मामले में जेल काट चुके हैं। बीजेपी का कहना है कि केजरीवाल ही इस कथित घोटाले के मास्टरमाइंड है और आप सरकार ने इसमें करोड़ों का घोटाला किया है। कथित आबकारी घोटाले के अलावा आम आदमी पार्टी राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल पर हुए हमले की घटना की वजह से भी परेशान है। इस मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पूर्व पीए विभव कुमार पर मालीवाल ने बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। मालीवाल ने कहा है कि विभव कुमार ने उनके साथ अरविंद केजरीवाल के सरकारी आवास पर मारपीट की। स्वाति मालीवाल ने इस मामले में अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी को जिस तरह लगातार घेरा है, उससे महिला सुरक्षा को लेकर पार्टी को जवाब देना भारी पड़ रहा है। बीजेपी भी स्वाति मालीवाल पर हमले के मामले को लगातार उठा रही है। दिल्ली में पिछले दो विधानसभा चुनाव के आंकड़े इस बात को स्पष्ट रूप से बताते हैं कि दिल्ली में कांग्रेस कोई चुनौती नहीं है हालांकि बीजेपी ने केजरीवाल को घेरने की पूरी कोशिश की है लेकिन वह भी इसमें बहुत हद तक कामयाब नहीं हो पाई है। याद दिलाना होगा कि अक्टूबर में हुए हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान अरविंद केजरीवाल कांग्रेस से गठबंधन करना चाहते थे लेकिन कांग्रेस उन्हें उनके द्वारा मांगी जा रही सीटें देने के लिए तैयार नहीं हुई। इसके बाद आम आदमी पार्टी ने अकेले ही हरियाणा में चुनाव लड़ा था। इसका नुकसान कांग्रेस को भी हुआ था और वह वहां सरकार नहीं बना सकी थी। शायद केजरीवाल कांग्रेस की ओर से किए गए इस बर्ताव का बदला लेना चाहते थे।

## बीजेपी लगा रही जोर, कामयाबी मिलेगी?

दिल्ली में पहली बार विधानसभा के चुनाव 1993 में हुए थे। तब बीजेपी ने राज्य में अपनी सरकार बनाई थी लेकिन उसके बाद से वह यहां सरकार बनाने में कामयाब नहीं हो सकी। 1998 से 2013 तक दिल्ली में कांग्रेस की सरकार रही। 2013 में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस ने मिलकर सरकार चलाई थी जो सिर्फ 49 दिन चली थी। उसके बाद 2015 और 2020 के चुनाव में आम आदमी पार्टी ने एकतरफा जीत हासिल की थी। 2014 में जब केंद्र में बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार बनी तब से पार्टी को उम्मीद है कि वह एक बार फिर राजधानी में सरकार बनाएगी। 2015 और 2020 के विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह सहित पार्टी के तमाम नेताओं ने दिल्ली में सरकार बनाने के लिए ताकत झोंकी लेकिन पार्टी को करारी हार मिली और उसके लिए नतीजे बहुत खराब रहे।

# तकनीक ने बढ़ा दी बीमारियां...

**जयप्रकाश पांडेय**



तकनीकी प्रगति ने जीवन को सरल बना दिया है, लेकिन इसने हमारे दिलों को जटिल भी कर दिया है। क्या हम उस बिंदु पर पहुंच चुके हैं, जहां इंसानियत और मानवीय संवेदनाओं को तकनीक से परे एक नया आयाम देना होगा? इस प्रश्न का उत्तर हम सभी को मिलकर खोजना होगा। तकनीक का सही उपयोग तभी संभव है, जब यह हमारे मानवीय मूल्यों को संजोए रखे। आज की दुनिया एक बड़े परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। डिजिटल तकनीक के व्यापक प्रसार ने हमारी दिनचर्या और सोचने के तरीके को पूरी तरह से बदल दिया है। इंटरनेट, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और सोशल मीडिया ने न केवल हमें एक नए युग में प्रवेश कराया है, बल्कि हमारी इंसानियत पर भी सवाल खड़े किए हैं। आज जब अपने चारों ओर की दुनिया को देखा जाए तो कोई भी संवेदनशील व्यक्ति यह सोचने पर मजबूर हो सकता है कि क्या यह तकनीकी क्रांति हमें वास्तव में जोड़ कर रख रही है या हमें और भी अलग-थलग कर रही है! एक श्लोक है- 'असतो मा सद्गमय, तमसो मा ज्योतिर्गमय, मृत्योर्मा अमृतं गमय।' यानी हमें असत्य से सत्य की ओर ले चलो, अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो, और मृत्यु से अमरता की ओर ले चलो। यह श्लोक इस बात की याद दिलाता है कि सच्चा मार्ग वही है, जो अंधकार और असत्य से मुक्त हो। इसी तरह, आज हमें तकनीक के उजाले में खोते हुए उन मूल्यों को याद रखना होगा, जो हमें मानवता की ओर ले जाते हैं। तकनीक ने भले ही हमें वैश्विक स्तर पर जुड़ने का अवसर दिया हो, लेकिन वास्तविकता में हमने अपनी आसपास की दुनिया से दूरी बना ली है। आभासी दुनिया में जुड़ने के सुख की हकीकत यह है कि सोशल मीडिया पर हजारों लोग दोस्ती की सूची में हो सकते हैं, उन्हें हमारा लिखा हुआ या कोई और सामग्री पसंद आती है, मगर वास्तव में कोई हमसे जुड़ा नहीं होता। हमारा पड़ोसी तक हमारे दुख में शामिल नहीं होना चाहता। ज्यादातर लोग एक ही घर में रह कर अपने स्मार्टफोन में डूबे रहते हैं, तो यह स्पष्ट होता है कि इस डिजिटल दुनिया में हम और भी अकेले होते जा रहे हैं। उन दिनों को याद किया जा सकता है, जब परिवार और दोस्तों के साथ बैठकर हम वास्तविक बातचीत किया करते थे। आज वह आपसी संवाद एक 'कमेंट' या 'इमोजी' तक सीमित हो गया है। खुद में सिमटने के उदाहरण अपने आसपास हर जगह देखे जा सकते हैं। किसी व्यावसायिक माल में जमा लोगों को देख कर उनके भी संवेदनशील होने के बारे में अंदाजा लगाया जा सकता है। कुछ समय पहले एक बुजुर्ग एक जगह असहाय बैठे थे। शायद उन्हें मदद की जरूरत थी। चारों ओर से लोग गुजर रहे थे, लेकिन किसी ने उनकी ओर ध्यान नहीं दिया, क्योंकि सभी अपने-अपने स्मार्टफोन या बाजार से खरीदारी में व्यस्त थे। एक व्यक्ति ने जब उनसे बात की, तब पता चला कि उन्हें अपने बेटे से संपर्क करने में परेशानी हो रही थी। उस व्यक्ति ने उनकी मदद की, तब उनकी आंखों में राहत और आभार का भाव उभरे। तकनीक ने हमें भले ही एक नई दुनिया दी हो, लेकिन हम अपनी इंसानियत और आपसी जुड़ाव से कहीं दूर हो गए हैं। यह विडंबना है कि जब हमारे पास इतनी तकनीकी प्रगति है, तो मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं भी उसी तेजी से क्यों बढ़ रही हैं। तनाव, अवसाद और अकेलापन जैसे मुद्दे अब आम हो गए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि डिजिटल युग में इन समस्याओं की वृद्धि इस बात का संकेत है कि हम अपने वास्तविक मानवीय रिश्तों से दूर होते जा रहे हैं। अब वह समय नहीं रहा जब हम अपनों के साथ समय बिताने से आत्मिक शांति पाते थे। एक दौर था जब इंसानियत, प्यार और देखभाल हमारे रिश्तों की नींव हुआ करती थी। अब यह सब डिजिटल संकेत और स्क्रीन पर उभरते 'नोटिफिकेशन' या सूचनाओं और संदेशों में बंधकर रह गया है। 'विज्ञान ने संसार को एक बहुत बड़ी चीज दी है- तथ्यों को पहचानने की शक्ति। लेकिन प्रेम ही वह तत्त्व है, जो मानव-हृदय को सही दिशा देता है।' प्रेमचंद की ये पंक्तियां हमें इस बात का अहसास कराती हैं कि तकनीक और विज्ञान कितनी भी उन्नति कर लें, आखिरकार मानवीय संवेदनाएं ही हमें एक दूसरे से जोड़ती हैं और जीवन को सार्थक बनाती हैं।

# ईवीएम का विरोध, संसद ठप- सुधरने वाला नहीं है भारत का विपक्ष

संसद के शीतकालीन सत्र का प्रथम सप्ताह अडाणी व संभल हिंसा को लेकर हंगामे की भेंट चढ़ चुका है। विपक्षी दल संसद में इसलिए भी बहस नहीं होने देना चाहते हैं क्योंकि जब संसद में बहस होने पर वे पूरी तरह बेनकाब हो जाते हैं। चार जून 2024 के लोकसभा चुनाव में पिछली बार की तुलना में मिली मामूली बढ़त से उत्साहित कांग्रेस को इसके तुरंत बाद हरियाणा और महाराष्ट्र के विधानसभा चुनावों में अपने इंडी गठबंधन के साथ भारी पराजय का मुख देखना जिसके कारण ये अब गहरी निराशा व हताशा में हैं और उन्हीं हरकतों पर उतर आए हैं जो ये लोकसभा चुनावों से पहले कर रहे थे। कुछ राजनैतिक विश्लेषक अनुमान लगा रहे थे कि हरियाणा तथा महाराष्ट्र में भारी पराजय के बाद विपक्षी दल संसद चलाने में सहयोग करेंगे किंतु फिलहाल ऐसा होता प्रतीत नहीं होता कि संसद के शीतकालीन सत्र में कोई महत्वपूर्ण विधायी कार्य संपन्न हो सकेगा। संसद के शीतकालीन सत्र का प्रथम सप्ताह अडाणी व संभल हिंसा को लेकर हंगामे की भेंट चढ़ चुका है। विपक्षी दल संसद में इसलिए भी बहस नहीं होने देना चाहते हैं क्योंकि जब संसद में बहस होने पर वे पूरी तरह बेनकाब हो जाते हैं। देश की जनता कांग्रेस को अडानी, संविधान व जातिगत जनगणना के मुद्दे पर लगातार नकार रही है किंतु कांग्रेस नेता राहुल गांधी लगातार इन्हीं मुद्दों को लाल किताब जिसे वे संविधान की प्रति कहते हैं हाथ में लेकर बार-बार हवा में उछालते हैं। इन्हीं मुद्दों पर सदन को बाधित करते हैं। दिल्ली में कांग्रेस पार्टी के संविधान रक्षक सम्मेलन में राहुल गांधी ने वही किताब दिखाते हुए कहा कि इसमें कहीं सावरकर का नाम नहीं है। इसी कार्यक्रम में बोलते हुए राहुल गांधी का माइक बंद हो गया और आदतन राहुल गांधी इसके लिए भी मोदी सरकार को दोष देते हुए उसे तानाशाह बताने लगे। हर समय संविधान संविधान करने वाले राहुल गांधी से अब पूछा जाना चाहिए कि संविधान की किताब में झूठे मुद्दे उठाकर संसद ठप करने की बात कहाँ लिखी गई है। कांग्रेस और इंडी गठबंधन को लगातार मिल रही पराजय पर जब इन दलों के नेताओं को आत्मचिंतन करना चाहिए था उस समय ये ईवीएम मशीनों और चुनाव आयोग पर हमलावर हैं। कांग्रेस व विपक्षी दलों ने सुप्रीम कोर्ट सहित देश की विभिन्न हाईकोर्ट में 42 याचिकाएं दायर कीं किंतु हर जगह उनके वकीलों को मुंह की खानी पड़ी। हरियाणा और महाराष्ट्र में चुनाव परिणामों के बाद विरोधी दलों का ईवीएम पर आरोप लगाने का रेडियो एक बार फिर ऑन हो गया है। लोकसभा चुनावों के पहले भी अप्रैल माह में जस्टिस संजीव खन्ना की पीठ ने सुनवाई करते हुए विपक्ष के सभी आरोपों को खारिज करते हुए कहाकि हमें भी वह दिन याद है जब बैलेट पेपर से चुनाव होते थे और पूरा का पूरा बूथ लूट लिया जाता था। हम अब देश को पुनः उस युग में नहीं ले जाना चाहते हैं। 26 नवंबर 2024 को भी सुप्रीम कोर्ट ने बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग करने वाली एक याचिका पर न सिर्फ याचिकाकार्ता को कड़ी फटकार लगाई अपितु राजनैतिक दलों को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि आप जब चुनाव हार जाते हैं तो ईवीएम खराब हो जाती है और जीत जाते हैं तो चुप्पी। हार का ठीकरा ईवीएम पर फोड़ना ठीक नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश विक्रम नाथ और पीबी वराले की पीठ ने बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग करने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। कोर्ट ने याचिकार्ता से पूछा कि यह याचिका दायर करने का शानदार विचार अपको कैसे मिला? ऐसा प्रतीत हो रहा है कि विरोधी दलों ने अब अतिविश्वसनीय ईवीएम मशीनों के खिलाफ नफरत की दुकान खोल ली है।

## एकनाथ शिंदे ने अमित शाह से 6 महीने के लिए मांगा सीम पद




## सुडोकू पहेली क्रमांक- 5438

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2 | 3 | | | | 7 | | | 1 |
| 1 | 8 | | 5 | 3 | | 4 | | |
| | 4 | 6 | | | | | | |
| | 5 | | | | 8 | | | 2 |
| | 6 | | | 2 | | | 9 | |
| 9 | | | 3 | | | | | |
| | | | | | | 8 | 2 | |
| | | 3 | | 5 | 9 | | 4 | 7 |
| 5 | | | 7 | | | | 3 | 9 |

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

## सुडोकू पहेली क्र. 5437

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 6 | 4 | 7 | 1 | 9 | 3 | 2 | 8 | 5 |
| 9 | 5 | 2 | 6 | 8 | 7 | 1 | 4 | 3 |
| 3 | 1 | 8 | 2 | 4 | 5 | 9 | 6 | 7 |
| 4 | 3 | 6 | 5 | 2 | 9 | 7 | 1 | 8 |
| 5 | 8 | 9 | 7 | 1 | 6 | 3 | 2 | 4 |
| 2 | 7 | 1 | 4 | 3 | 8 | 5 | 9 | 6 |
| 8 | 2 | 5 | 3 | 6 | 1 | 4 | 7 | 9 |
| 7 | 9 | 4 | 8 | 5 | 2 | 6 | 3 | 1 |
| 1 | 6 | 3 | 9 | 7 | 4 | 8 | 5 | 2 |

## वर्ग पहेली 5438

संकेत: बाएं से दाएं
1. भारत में 5 सितंबर इस दिवस के रूप में मनाया जाता है (6)
6. अवस्था, उम्र, जीवन अवस्था (2)
7. ऐसा कोई घटना जिसमें कोई अपराध हुआ हो (4)
9. परिपक्व होना, पुष्पित होना (3)
10. मंगल ग्रह इस रंग का कहलाता है, इंद्रधनुष के रंगों में से एक (2)
12. स्मरणीय, याद रखने योग्य, यादगार, अविस्मरणीय (4)
14. पृथ्वी की ऊपरी सतह (3)
15. पुरुष, मर्द (2)
16. [illegible] (4)
17. [illegible] (2)
18. शरण देना, आश्रय देना (5)
22. अत्यंत प्राचीनकाल से चला आता (4)
23. यह हिमालय में एक पहाड़ी राज्य है जिसके उत्तर में चीन और दक्षिण में भारत है जिसकी राजधानी थिम्पू है (3)

संकेत: ऊपर से नीचे
1. मादक पदार्थ, भांग को यह भी कहते है (4)
2. कुपोषण, नाश या नष्ट होना, [illegible], टी.बी (2)
3. दिनपति, सूर्य, सूरज, रवि (4)
4. विवाह के समय वधु का वर को अंगीकार करना, यदि ऐसा न होता तो (3)
5. प्रतिध्वनि, फकीर की आवाज, फरियाद (2)
8. पुराणानुसार सात पातालों में से एक पाताल, कहते है प्रहलाद का निवास स्थान यहीं है (4)
9. [illegible] (3)
11. प्रबल अभिलाषित होना, तीव्र उत्कंठित होना (4)
13. टन-टन शब्द करते हुए आना या टन-टन शब्द करना (5)
14. भूख, भूख शब्द अपभ्रंश (2)
16. सटना, सिरों में जुड़ा होना (3)
17. लौटा हुआ या फिरता हुआ (3)
19. ताड़ित, पीटा हुआ, घुमा फिरा हुआ (2)
20. प्रश्न या प्रश्न वस्तु (2)
21. जिसका शील या कद छोटा हो, ठिगना (2)

## वर्ग पहेली 5437 का हल

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| श्री | न | ■ | मा | र | त | ■ | व |
| स | ह | ना | ई | ■ | त | ल | क |
| ल | ला | ट | ■ | सु | म | का | म |
| ■ | जा | क | र | ता | ■ | का | ■ |
| मै | ■ | ■ | त | सै | का | ■ | सु |
| थ | न | का | ना | ■ | मू | स | ल |
| दू | र | ■ | र | ह | न | ■ | जा |
| स | म | क | ■ | म | न | स्वी | ■ |

## आज का राशिफल

**मेष** [illegible] शुभांक-3-7-9

**वृषभ** [illegible]

**मिथुन** [illegible] शुभांक-2-4-6

**कर्क** [illegible]

**सिंह** [illegible] शुभांक-2-5-8

**कन्या** [illegible] शुभांक-3-5-7

**तुला** [illegible] शुभांक-2-3-7

**वृश्चिक** [illegible] शुभांक-4-5-7

**धनु** [illegible]

**मकर** [illegible]

**कुंभ** [illegible] शुभांक-2-5-8

**मीन** [illegible] शुभांक-2-4-6

# राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता हेतु मंदसौर की 5 खिलाड़ियों का चयन

**मंदसौर, 05 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** 9 से 12 दिसंबर 2024 तक मंदसौर में ही आयोजित 14 वर्ष आयु वर्ग शालेय राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता0के लिए मंदसौर की 5 हॉकी खिलाड़ियों का चयन हुआ साथ ही मंदसौर के खेलो इंडिया हॉकी कोच वैभव चौरसिया को मध्य प्रदेश टीम का कोच व अध्यक्ष को मैनेजर नियुक्त किया गया। यह जानकारी हॉकी मंदसौर के अध्यक्ष कुलदीप सिंह सिसोदिया व सचिव अविनाश उपाध्याय ने दी उन्होंने बताया कि सराहना राठौर (सेंट थॉमस स्कूल), काव्या काला (आदित्य पब्लिक), पलाक्षी व्यास , प्राची (लोटस वैली स्कूल), तनिष्का परिहार (दशपुर विद्यालय) यह चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर हुआ अभी 2 दिसंबर से मध्य प्रदेश बालिका टीम मंदसौर में ही आयोजित राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में कोच वैभव चौरसिया के मार्गदर्शन में प्रशिक्षणरत है ज्ञात रहे मध्य प्रदेश पिछले बार की राष्ट्रीय विजेता टीम है। बालिकाओं की इन उपलब्धि में हॉकी मंदसौर के कोचिंग स्टाफ के साथ-साथ सेंट थॉमस विद्यालय के खेल शिक्षक रवि कोपरगांवकर, दशपुर विद्यालय के खेल शिक्षक भारत सिंह व आदित्य पब्लिक स्कूल के खेल शिक्षक अजर खान का बहुमूल्य योगदान रहा बालिकाओं की इस उपलब्धि पर हॉकी मंदसौर के संरक्षक यशपाल सिंह सिसोदिया, विशाल गोयल, त्रिभुवन कविश्वर, जिला खेल अधिकारी विजेंद्र देवडा, हॉकी मंदसौर एसोसिएशन के अध्यक्ष कुलदीप सिंह सिसोदिया, सचिव अविनाश उपाध्याय, कोच रवि कोपरगांवकर, दिनेश यादव, शैलेंद्र मसीह, खेलो इंडिया एन,आई,एस कोच वैभव चौरसिया, मीत चौहान, मंगल बैरागी, ओमप्रकाश गुर्जर, राजेंद्र सिंह, भरत सिंह, शासकीय महाविद्यालय मंदसौर के खेल अधिकारी राजू कुमार, शासकीय महाविद्यालय दलोदा के खेल अधिकारी अब्दुल रज्जाक, सीनियर खिलाडी संजय तोमर, मनोज जैन, अंकित मंडोर, राकेश श्रीवास्तव, भारत देवडा, अजय सिंह गौड, कमलेश शर्मा, शैलेंद्र परिहार, पिंटू आर्थर, डॉ हिमांशु यजुर्वेदी दुबेला क्लब के अध्यक्ष श्री विनय दूबेला, अमर क्लब के अध्यक्ष श्री भानु प्रताप सिंह सिसोदिया, आदि ने बधाई दी व उनकी उज्वल भविष्य की कामना की।

# मंदसौर सीए ब्रांच का कम्यूनिकेशन स्किल्स पर वेबीनार सम्पन्न

**मंदसौर, 05 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** सीए ब्रांच द्वारा व्यावसायिक कौशल उन्नयन कमेटी (आईसीएआई) के तत्वावधान में वेबीनार का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता सीए मोहित गुप्ता ने बताया कि संचार स्पष्ट होना चाहिये। संचार की शक्ति से व्यक्ति लोकप्रियता हासिल करता है।

आपने कहा कि संचार सही, पूर्ण, स्पष्ट, करूणामय व संक्षित होना चाहिये। अच्छी तरह से संवाद करने से आपको प्रोफेशन में अनेक फायदे होते हैं। आपने कहा कि आमने-सामने की बातचीत में बॉडी लैंग्वेज एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। आपकी भाषा सकारात्मक होना चाहिये। साथ ही आपको सक्रिय रूप से सुनने का अभ्यास भी होना चाहिये। प्रारंभ में स्वागत भाषण ब्रांच चेयरमेन सीए दिनेश जैन ने दिया। अतिथि परिचय सीए अर्पित मेहता ने दिया। इस वेबीनार को डॉ. सम्बित कुमार मिश्रा ने भी संबोधित किया। वेबीनार में 60 सीए साथियों ने भाग लिया। प्रश्न उत्तर सेशन का संचालन सचिव सीए विकास भण्डारी ने किया। इस अवसर पर सीए अर्पित नागर, सीए नयन जैन, सीए सिद्धार्थ अग्रवाल, सीए सिद्धार्थ विजयवर्गीय, सीए प्रीति जैन, सीए सत्यनारायण काला, सीए अंकित श्रीमाल, सीए रचित जैन, सीए गौरव गुप्ता आदि ने प्रश्न उत्तर सेशन में सक्रिय रूप से भाग लिया। आभार सीए मयंक वीरेन्द्र जैन ने माना।

## मण्डवारिया परिवार द्वारा कल भव्य संगीतमय सुंदरकाण्ड पाठ का आयोजन

**मंदसौर, 05 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** ऊँओमशांति सेवा समिति अध्यक्ष एवं जिला प्रशासनिक शांति समिति के सदस्य राजेश मण्डवारिया ओम शांति ने बताया कि पूजनीय स्व. श्री श्रीनिवासजी मण्डवारिया की स्मृति में दिनांक 7 दिसम्बर, शनिवार को सायं 6.45 बजे से श्री संकट मोचन बालाजी जनता कॉलोनी मंदसौर पर भव्य संगीतमय सुंदरकाण्ड पाठ का आयोजन प्रसिद्ध पं. डॉ. मिथिलेशजी नागर के मुखारविन्द से समन्न होगा। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उपमुख्यमंत्री जगदीश देवडा, सांसद सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर, विधायक विपिन जैन, नपाध्यक्ष रमादेवी गुर्जर, भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया, राष्ट्रीय प्रवक्ता सुश्री प्रीति पोरवाल भोपाल, समाजसेवी जगदीश चौधरी, जगदीश सेठिया, प्रवीण गुप्ता, पूर्व मंत्री नरेन्द्र नाहटा, पूर्व मंत्री कैलाश चावला, जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष मदनलाल राठौर, उद्योगपति हिम्मत लोढा होंगे।

# पीजी महाविद्यालय में स्वच्छता सेवा कार्य सम्पन्न

**मंदसौर, 05 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** अंतर्राष्ट्रीय स्वैच्छिक सेवा दिवस पर प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में हुआ स्वच्छता सेवा कार्य का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने स्वच्छता सेवा कार्य में बढ़-चढ़कर भाग लिया और महाविद्यालय के परिसर को स्वच्छ और सुंदर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

इस अवसर पर श्री नरेश जी चंदवानी ने कहा कि स्वच्छता सेवा कार्य हमारे समाज के लिए बहुत महत्वपूर्ण है और हमें अपने आसपास के समाज में भी स्वच्छता का संदेश फैलाना चाहिए। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. डी. सी. गुप्ता जी ने इस अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छता सेवा कार्य हमारे समाज के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे न केवल महाविद्यालय के परिसर को स्वच्छ और सुंदर बनाने में योगदान दें, बल्कि अपने आसपास के समाज में भी स्वच्छता का संदेश फैलाएं। महाविद्यालय के आनंद क्लब, व्यक्तित्व विकास प्रकोष्ठएवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और महाविद्यालय के परिसर को स्वच्छ और सुंदर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस कार्यक्रम का सफल आयोजन श्री नरेश जी चंदवानी, डॉ. वीणा सिंह, डॉ. विनीता सिंह कुलश्रेष्ठ, प्रो. अनिल आर्य के मार्गदर्शन में संभव हुआ। इस अवसर पर जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष श्री नरेश जी चंदवानी के आतिथ्य में प्रमाणपत्र भी वितरित किए गए।

# रासेयो स्वयंसेवकों को एनएसएस प्रमाण पत्र प्रदान किए

**मंदसौर, 05 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंदसौर के प्राचार्य डॉ. डी.सी. गुप्ता ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवकों को एनएसएस बी–प्रमाण पत्र वितरित किए गए। ये प्रमाण पत्र महाविद्यालय में जनभागीदारी समिति अध्यक्ष श्री नरेश चंदवानी एवं प्राचार्य डॉ. डी.सी. गुप्ता द्वारा दो वर्ष राष्ट्रीय सेवा योजना में कार्य करते हुए 240 घंटे श्रमदान करने वाले विद्यार्थियों को प्रदान किए गए।

कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अनिल कुमार आर्य ने बताया कि एनएसएस में तीन प्रकार के प्रमाण पत्र दिए जाते हैं। ए प्रमाण पत्र स्कूलों में उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों को 240 घंटे कार्य किए जाने पर दिया जाता है वहीं बी प्रमाण पत्र महाविद्यालय स्तर पर 240 घंटे श्रमदान आदि गतिविधियों पूर्ण करने पर रासेयो स्वयंसेवकों को दिया जाता है। इसके आगे सी प्रमाण पत्र के लिए वर्ष भर किसी एक विषय जैसे पर्यावरण संरक्षण, बाल संरक्षण आदि पर उत्कृष्ट कार्य करने पर दिया जाता है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को विकसित भारत क्विज प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु स्वयंसेवकों को प्रोत्साहित किया गया और विद्यार्थियों ने स्वच्छता अभियान में भाग लेकर परिसर को स्वच्छ बनाया। इस अवसर पर डॉ. विनीता कुलश्रेष्ठ, डॉ. वीणा सिंह, डॉ. प्रीति श्रीवास्तव, डॉ. आभा मेघवाल, डॉ. सोहन यादव समेत महाविद्यालय के प्राध्यापक, कर्मचारी एवं स्वयंसेवक उपस्थित थे।

# दलौदा में लगेगा दो दिवसीय नि:शुल्क दिव्य स्पर्श चिकित्सा शिविर कल से

**दलौदा, 05 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** नगर के स्टेशन रोड स्थित शिव मंदिर के पास श्री गुरुदेव नित्यानंद बाबा ट्रस्ट, इंदौर द्वारा दो दिवसीय नि:शुल्क दिव्य स्पर्श चिकित्सा शिविर लगाया जाएगा। ट्रस्ट मंत्री प्रतीक धोका ने बताया कि यति विनयसागर जी द्वारा वर्ष 2013 से श्री नित्यानंद बाबा ट्रस्ट, इंदौर के माध्यम से कई सेवा के कार्य नि:स्वार्थ रूप से नि:शुल्क किये जा रहे हैं। जिसमें विभिन्न प्रकल्प चलाये जा रहे है। इसी कडी में दलौदा में 7 दिसम्बर शनिवार से दो दिवसीय नि:शुल्क स्पर्श चिकित्सा शिविर आयोजित किया जा रहा है। जिसमे जलगांव महाराष्ट्र के कर सलाहकार व स्पर्श चिकित्सा विशेषज्ञ विजय सेठ (जैन) द्वारा मरीजो का किसी भी प्रकार का दर्द गर्दन, कमर घुटने ,हाथ , सर्वाइकल, रीड की हड्डी गठिया , एडी का दर्द, नसों का दर्द आदि का इलाज दिव्य स्पर्श चिकित्सा द्वारा किया जाएगा। जिसमे मरीजो के दर्द का निवारण कुछ ही समय में हो जाएगा। स्पर्श चिकित्सा शिविर का लाभ उठाने के लिए शुभम धोका दलौदा को संपर्क नंबर 9575210742 पर जानकारी देकर नि:शुल्क पंजीयन करवा सकते है।

**नगर में 2021 से चल रहा नि:शुल्क होम्योपैथी चिकित्सालय–** श्री गुरुदेव नित्यानंद बाबा ट्रस्ट इंदौर के मंत्री प्रतीक धोका दलौदा ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा विभिन्न नि:शुल्क सेवा प्रकल्प चलाए जा रहे है। जिसमे प्रति शनिवार को नरनारायण भोजन, इंदौर में प्रतिदिन नि:शुल्क होम्योपैथी क्लीनिक, गरीब विधार्थियों को शिक्षण सामग्री, कोरोना काल मे नि:शुल्क दवाओं को वितरण के अलावा वर्तमान में डेंगू कि दवाई वितरण की जा रही है व ट्रस्ट द्वारा समय समय पर नेत्र , स्वास्थ, दंत, ब्लड परिक्षण आदि शिविर द्वारा समाज हेतु आयोजित किये जाते है। इस प्रकार से श्री नित्यानंद बाबा ट्रस्ट द्वारा आमलोगों की सेवा मे लगा हुआ है। यति विनयसागर जी के सानिध्य में ट्रस्ट द्वारा मंदसौर जिले की दलोदा चौपाटी में भी वर्ष 2021 से आमजन कि सेवा के लिए नि:शुल्क होम्योपैथीक क्लीनिक का शुभारंभ किया गया था। जहां अभी तक हजारो मरीजो का नि:शुल्क होमियोपैथीक इलाज किया जा चुका है। स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ लक्ष्मी पाटीदार मंदसौर द्वारा नियमित रूप से सुबह 8 से 10 बजे तक अपनी सेवाएं दी जा रही है, जिससे कि नगर के साथ ही आसपास की आम जनता को स्वास्थ्य लाभ मिल रहा है।

# मालिक ने घायल होने पर छोड़ दिया था ऊंट को, हुई मौत

## गौ आरोग्य सेवा समिति ने किया अंतिम संस्कार

**मंदसौर, 05 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** रेबारी जो ऊँट के माध्यम से अपना रोजगार करते है लेकिन वहीं ऊँट जब दुर्घटना में घायल हो गया तो रेबारी (मालिक) उसे मरने के लिये छोड़कर चला गया। घायल व बदहाल ऊँट उपचार के अभाव में चल बसा। जिसकी सूचना गौ आरोग्य सेवा समिति को मिलने पर समिति के अध्यक्ष ओम बडोदिया ने अपने साथियों के साथ पहुंचकर ऊँट का अंतिम संस्कार किया।

समिति अध्यक्ष एवं पशु प्रेमी ओम बडोदिया ने बताया कि जानकारी एकत्र करने पर ज्ञात हुआ कि रेबारी सालुराम निवासी राजस्थान का ऊँट सडक दुर्घटना में घायल हो गया था। इस घटना में उसका पैर टूट चुका था, पेट में भी घाव हो गया था। गर्द में भी चोंटे आई थी। ऊँट बुरी तरह घायल हो चुका था जिसे तत्काल उपचार की आवश्यकता थी लेकिन रेबारी ने उसका उपचार कराने की बजाय उसे दुर्घटना स्थल पर ही छोडकर चला गया। घटना की जानकारी कुछ लोगों द्वारा मुझे दी गई। जब मैं दुर्घटना स्थल पहुंचा। मेरे द्वारा पशु विभाग एवं 1962 एम्बुलेंस को फोन किया। लेकिन जब तक वहां की टीम एवं एम्बुलेंस पहुंची तब तक ऊँट की जान जा चुकी थी। ऊँट के शव को नगरपालिका के वाहन से ले जाकर जेसीबी मदद से गड्ढा खोदकर बायपास स्थित नवलखा बीड़ पर उसको दफनाया गया। श्री बडोदिया ने कहा कि लगातार पशुओं के प्रति जिम्मेदारों की अनदेखी चिंताजनक है। जिस पशु का उपयोग कर रोजगार किया जाता है उसे ही घायल होने पर छोड़ देना मानवीयता नहीं है। ऐसे पशु मालिकों पर दंडात्मक कार्यवाही होना चाहिए। साथ ही जिला प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों से भी आग्रह है कि शासन द्वारा मंदसौर नगर या आसपास जमीन उपलब्ध कराई जाए जिसमें बीमार पशुओं को रखकर उनका उपचार किया जा सके। तथा नागरिकों से निवेदन किया घायल पशु दिखने पर मो.नं. 7999778926 पर सूचना दे जिससे उसको तुरंत उपचार उपलब्ध कराया सके।

# नीमच में आज युवा संगम कार्यक्रम का आयोजन

**नीमच, 05 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** नीमच में आज 06 दिसम्बपर 2024 को युवा संगम कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, रोजगार कार्यालय तथा आईटीआई एवं पॉलीटेक्निक विभागों द्वारा समन्वित रूप से आई.टी.आई. डूंगलावदा नीमच में युवा संगम कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। जहां एक ही छत के नीचे युवाओं को रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप से जुड़ने का अवसर उपलब्ध होगा। युवा संगम में प्रदेश व अन्य राज्यों की निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनिया एवं नियोजक आ रहे है। जो युवाओं को विभिन्न रिक्त पदों के विरूद्ध साक्षात्कार द्वारा चयन करेंगे तथा चयनित उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र प्रदान करेंगे।

महाप्रबंधक उद्योग सुश्री योगिता भटनागर ने बताया, कि युवा संगम के साथ ही स्वरोजगार योजनाओं को संचालित करने वाले विभिन्न विभाग जैसे उद्योग, पिछड़ा वर्ग, अन्त्यवसायी, आदिम जाति कल्याण, खादी एवं ग्रामोद्योग, पशुपालन, मत्स्य पालन, उद्यानिकी, एनआरएलएम, एनयूएलएम तथा बैंकों के माध्यम से संचालित स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी भी इच्छुक व्यक्तियों को उपलब्ध कराई जाएगी। जिससे वह स्वयं का व्यापार, व्यवसाय या उद्योग स्थापित करने के लिए ऋण ले सकेंगें। कार्यक्रम प्रात: 11 बजे से दोपहर 03 बजे तक रहेगा। कार्यक्रम में 18 वर्ष से अधिक आयु वाले इच्छुक बेरोजगार व शिक्षित बेरोजगार युवा अपने समस्त शैक्षणिक दस्तावेज, आधार कार्ड, पेनकार्ड, समग्र आईडी, जाति प्रमाण-पत्र, मूल निवासी प्रमाण पत्र आदि के साथ 6 दिसम्बर 2024 को कार्यक्रम में भाग लेकर लाभान्वित हो सकते हैं।

# कांकरवा बालाजी मित्र मण्डल ने योग गुरू टांक का किया सम्मान

**मंदसौर, 05 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** कांकरवा बालाजी मित्र मण्डल ने पतंजलि संगठन के जिला प्रभारी एवं जिले में योग की अलख जगाने वाले योग गुरू श्री बंशीलाल टांक द्वारा विगत दिवस पतंजलि के संस्थापक बाबा रामदेवजी द्वारा राष्ट्रीय चैनल पर दिये गये योग चैलेंज को पूर्ण कर प्रथम स्थान प्राप्त करने पर उनका शाल, श्रीफल भेंटकर बहुमान किया गया।

स्वागत के दौरान स्नेहीजनों ने बताया कि 82 वर्षीय श्री बंशीलाल टांक योग के प्रति आम नागरिकों को जागरूक करने का कार्य कर रहे है। उनकी उपलब्धि एवं योग के प्रति निष्ठा को देखते हुए उनका सम्मान किया गया। श्री कांकरवा बालाजी समिति के उपाध्यक्ष श्री विनयसिंह श्रीमाल एडवोकेट, पवर्तसिंह डोडिया, मनोहरसिंह डाबी, दलतसिंह मेहंदी, नाहरसिह भोलिया, मानसिंह गुर्जर, मनोहरलाल रणायरा, कालूसिंह सरपंच, भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया, भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष मानसिंह माच्छोपुरिया, सुनील जैन महाबली, विश्व हिन्दू परिषद के गुरूचरण बग्गा, पूर्व न्यायाधीश रघुवीरसिंह चुण्डावत, शिक्षाविद रमेशचन्द्र चन्द्रे, दशपुर जागृति संगठन अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र पुराणिक, पतंजलि योग संगठन जिलाध्यक्ष योग गुरू बंशीलाल टांक, पत्रकार शंभूसेन राठौर, हरिशंकर शर्मा, आशीष बंसल, सी.के. विश्नोई, सत्यनारायण पालीवाल, सरपंच भरतदास बैरागी, राधेश्याम प्रजापत, लालसिंह सिसौदिया, जुझारलाल धनगर आदि समारोह में सम्मिलित हुए श्री टांक का शाल श्रीफल भेंटकर सम्मान किया गया।

# राजस्व महाअभियान के तहत संयुक्त तहसील भवन में 6 व 7 को विशेष शिविर

**नीमच, 05 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** एसडीएम डॉ.ममता खेडे ने बताया, कि राजस्व् महाअभियान के तहत नीमच सिटी, रावतखेड़ा, जेतपुरा, चौथखेड़ा, जमुनियाखुर्द, दुलाखेड़ा, कनावटी, भोलियावास, बरूखेड़ा, हिंगोरिया, पिपलियाबाग, चंगेरा, डुंगलावदा, अरनियाकुमार, में ई-केवायसी के लिए विशेष शिविर 6 व 7 दिसम्बूर 2024 को संयुक्तड तहसील भवन परिसर नीमच में आयोजित किए जा रहे हैं।

ग्राम नीमच सिटी, रावतखेड़ा, जेतपुरा, चौथखेड़ा, जमुनियाखुर्द दुलाखेड़ा, कनावटी, भोलियावास, बरूखेड़ा, हिंगोरिया, पिपलियाबाग, चंगेरा, डुंगलावदा, अरनियाकुमार क्षेत्र के निवासरत भूखण्ड धारकों के लिए 6 एवं 7 दिसम्बर 2024 को तहसील भवन परिसर नीमच में प्रात: 10.30 बजे से शाम 5 बजे तक विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा हैं। उक्त सभी भूखण्ड धारकों से अपील है, कि शासन की इस महत्वपूर्ण योजना का शिविर में भूमि संबंधी दस्तावेज खसरा, नकल, आधार व आधार से लिंक मोबाईल साथ लेकर उपस्थित होकर लाभ लें। अत: उपरोक्त समस्त स्थानों पर समस्त भूखण्ड धारक, आधार कार्ड, खसरा नकल, मोबाइल नंबर जो, कि आधार से लिंक है, दस्तो वेजों के साथ केम्प में उपस्थित होकर ई-के वायसी करवाये। उक्त कार्य पूर्णत:नि:शुल्क एवं अनिवार्य हैं।

# जिला अधिकारी, शासकीय सेवकों के लंबित स्वत्वों का तत्काल भुगतान करें–चंद्रा

## कर्मचारी कल्याण के प्रकरण प्राथमिकता से निराकृत करें, जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की बैठक सम्पन्न

**नीमच, 05 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** जिले के सभी विभागों के जिला अधिकारी अपने अधिनस्थ सभी शासकीय सेवकों के 30 नवम्बर 2024 तक के लंबित स्वत्वों, प्रकरणों का तत्काल निराकरण कर भुगतान करवाएं। कर्मचारी कल्याण के प्रकरणों को प्राथमिकता से निराकृत करें। नियमानुसार सभी पात्र शासकीय सेवकों की पात्रता का परीक्षण करवाकर, उन्हें समयमान वेतनमान प्रदान करने के आदेश जारी करें।

यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने गुरूवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में आयोजित जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की बैठक में विभिन्न कर्मचारी संगठनों द्वारा प्रस्तुत मांग पत्रों एवं सुझावों पर की गई कार्यवाही की समीक्षा करते हुए सभी जिला अधिकारियों को दिए गए। बैठक में प्रभारी अधिकारी श्री चंद्र सिह धार्वे, जिला कोषालय अधिकारी श्री बी.एम.सुरावत एवं विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी एवं कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए, कि सभी जिला अधिकारी अपने कर्मचारियों के हितों का पूरा ध्यान रखें। अवकाश के प्रकरणों को अनावश्यक लंबित ना रखे। यदि किसी कर्मचारी को अवकाश की पात्रता है और उसके लेखे में अवकाश है, तो नियमानुसार अवकाश स्वीकृत किया जाए। अवकाश स्वीकृति लंबित रखकर वेतन भुगतान नहीं रोके। कलेक्टर ने एनपीएस कर्मचारियों की एनपीएस की राशि नियमित रूप से कटोत्रा कर अंशदायी पेंशन निधि में जमा करवाने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग के संविदा कर्मियों और पंचायत सचिवों को एनपीएस की राशि का भुगतान करवाने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने पशुपालन विभाग के एव्हीसएफओ को अतिरिक्ते संस्थाओं के कार्य प्रभार पर शासन निर्देशानुसार 500 रूपये प्रतिमाह के अतिरिक्त प्रभार भत्ते का भुगतान करने के निर्देश पशुपालन विभाग को दिए। बैठक में विभिन्न कर्मचारी संगठनों के उपस्थित पदाधिकारियों ने भी अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। इस मौके पर म.प्र.तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष श्री शंभुलाल बगाडा, पशुपालन विभाग के श्री महेन्द्र सिह कछावा, प्रांतीय सचिव श्री अनिल गोयल, सचिव श्री देवराज मेघवाल, म.प्र.राज्य कर्मचारी संघ के श्री अशोक कुमार पिछोलिया, अजाक्स के अध्यक्ष श्री यशवंत गोयल, म.प्र.शिक्षक संघ के श्री विनोद पुनी, श्री विजय तिवारी, श्री सुनील शर्मा, म.प्र.शिक्षक कांग्रेस के श्री देवकिशन रावत, श्री राजमल सुराह, म.प्र.लघु वेतन कर्मचारी संघ के श्री मनोज नगारची, श्री जफर हुसैन एवं जिला अधिकारी उपस्थित थे।

# जिले में आयरन डेफिशिसेंसी एनीमिया जागरूकता माह का आयोजन सम्पन्न

**नीमच, 05 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.डी.प्रसाद ने बताया कि 4 दिसंबर 2024 से 4 जनवरी 2025 तक आयरन डेफिशियेंसी एनीमिया जागरूकता माह का आयोजन किया जा रहा है। एनीमिया एक गंभीर जन स्वास्थ्य समस्या है, जो कि विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों मे आधी सदी से एक बडी समस्या है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्कूल शिक्षा विभाग के समन्वय से 6 माह से 60 माह के बच्चों 5-10 वर्षीय बच्चों, 10-19 वर्षीय बालक-बालिकाओं, प्रजननकालिक उम्र की महिलाओं एवं गर्भवती तथा धात्री माताओं मे आई.एफ.ए. अनुपूरण सुनिश्चित किया जा रहा हैं।

एनीमिया एक रक्त विकार है, जिसमें शरीर में पर्याप्त स्वस्थ लाल रक्त कोशिकाएं नहीं होतीं या ये ठीक से काम नहीं करतीं. लाल रक्त कोशिकाओं में हीमोग्लोबिन नाम का प्रोटीन होता है, जो उन्हें फेफड़ों से अक्सीजन ले जाने और शरीर के सभी हिस्सों में पहुंचाने में मदद करता है। एनीमिया के कुछ प्रकार वंशानुगत होते हैं, लेकिन ज्यादातर लोग अपने जीवनकाल में ही इस स्थिति को विकसित कर लेते हैं। एनीमिया मुक्त भारत रणनीति के अंतर्गत, व्यवहारगत परिवर्तन संचार, एक महत्वपूर्ण रणनीति है, जिसके अंतर्गत सामुदायिक जागरूकता एवं व्यवहार परिवर्तन हेतु विभिन्न गतिविधियाँ संचालित की जा रही है। आयरन की कमी से होने वाले गंभीर स्वास्थ्य परिणामों एवं इसके उपचार के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए विगत 3 वर्षों से प्रतिवर्ष आयरन डेफिशियेंसी एनीमिया जागरूकता माह संचालित किया जा रहा है, ताकि हम सब मिलकर एक स्वस्थ एनीमिया मुक्त भारत का निर्माण कर सकें।

## मंदसौर मंडी भाव

| उपज | आवक बोरी में | न्यूनतम | अधिकतम |
|---|---|---|---|
| मक्का | 183 | 2100 | 2429 |
| उडद | 24 | 4400 | 6899 |
| सोयाबीन | 4000 | 3500 | 4300 |
| गैहु | 1000 | 2700 | 3150 |
| चना | 80 | 5501 | 6300 |
| मसुर | 24 | 5500 | 6111 |
| धनिया | 125 | 6000 | 7151 |
| लहसुन | 11000 | 12600 | 30000 |
| मैथी | 320 | 4751 | 5880 |
| मुंगफली | 4800 | 3650 | 5300 |
| अलसी | 565 | 5600 | 6161 |
| सरसो | 185 | 5151 | 5851 |
| तारामीरा | 3 | 4270 | 4546 |
| इसबगोल | 37 | 8500 | 12101 |
| प्याज | 12000 | 1250 | 3800 |
| कलोंजी | 30 | 12191 | 18041 |
| तुलसी बीज | 15 | 12100 | 18790 |
| डॉलर | 29 | 6751 | 11001 |
| तिल्ली | 20 | 8661 | 12360 |
| जौ | 0000 | 0000 | 0000 |
| मटरसुखी | 2 | 2000 | 4000 |
| असालीया | 5 | 10999 | 12090 |
| चियाबीज | 25 | 10300 | 13900 |

## सशस्त्र सेना झंडा दिवस का आयोजन कल

**मंदसौर, 05 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** जिला सैनिक कल्याण अधिकारी मंदसौर ग्रुप कैप्टन श्री संजय दीक्षित ने बताया किसन 1947 से हर वर्ष 07 दिसम्बर को सशस्त्र सेना झंडा दिवस के रुप में मनाया जाता है। सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर भारतीय सशस्त्र सेनाओं के वीर सैनिको के कल्याण हेतु स्वेच्छानुसार जनसाधारण से धन संग्रहण किया जाता है। इस अवसर पर जिला सैनिक कल्याण अधिकारी द्वारा जिले के समस्त विभागों, कालेजो, स्कूलों तथा जनमानस से स्वेच्छिक रुप से सशस्त्र सेना झंडा निधि में अनुदान राशि देकर सैनिक और उनके परिवार के कल्याण हेतु अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने की अपील की जाती है। 6 दिसम्बर 2024 को दोपहर 11.30 बजे जिला सैनिक कल्याण अधिकारी / कल्याण संयोजक, जिला सैनिक कल्याण कार्यालय मन्दसौर द्वारा जिला कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग एवं जिले के समस्त विभाग प्रमुखो को सशस्त्र सेना दिवस के अवसर पर प्रतिकात्मक फ्लेग / लेपल पिन लगाकर सशस्त्र सेना झंडा दिवस की राशी संग्रहण की शुरुआत की जायेगी।

# बच्चों को चुराकर अहमदाबाद में नर्स को बेचने का था प्लान, चोर गिरोह के 8 सदस्य गिरफ्तार

**रतलाम, 05 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** पुलिस ने जावरा स्थित हुसैन टेकरी परिसर के मेला मैदान से अपहृत किए गए आठ वर्षीय बालक व उसकी एक वर्षीय बहन को अपहरणकर्ताओं से मुक्त कराया है। दोनों भाई-बहन को बच्चा चोर गिरोह का मास्टर माइंड अहमदाबाद ले जाकर एक नर्स को बेचने वाला था। मामले में गिरोह के आठ सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें एक नाबालिग लड़का भी शामिल है।

एसपी अमित कुमार ने पत्रकारवार्ता में बच्चा चोर गिरोह का खुलासा करते हुए बताया कि हुसैन टेकरी मेला मैदान में झोपडी बनाकर रहने वाली महिला के दोनों बच्चों को पांच दिन पहले अज्ञात व्यक्ति अपहरण कर ले गए थे। महिला ने 30 नवंबर 2024 को औद्योगिक क्षेत्र थाना जावरा में रिपोर्ट की थी कि उनकी एक वर्षीय पुत्री तथा आठ वर्षीय पुत्र का कोई अपहरण कर ले गया है।

**राजगढ में पकड़े गए किडनैपर–** बीएनएस की धारा 137(2) के तहत प्रकरण दर्ज कर आरोपितों को पकडने के लिए टीम गठित की गई थी। टीम को सीसीटीवी फुटेज में कुछ संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिए, इनके साथ एक नाबालिग लड़का भी था। आरोपित बच्चों को ब्यावरा (राजगढ) ले गए है। दल वहां पहुंचा तथा चारों को हिरासत में लेकर दोनों बच्चों को बरामद किया। इनकी पहचान 40 वर्षीय बबली, 24 वर्षीय नासरा बी व 50 वर्षीय मोहम्मद हनीफ के रुप में हुई। ये सभी झालावाड (राजस्थान) के रहने वाले हैं।

**अस्सी हजार रुपये का सौदा कर कराया था अपहरण–** पूछताछ में आरोपित बबली व उसके साथियों ने बताया कि मुख्य आरोपित 40 वर्षीय राशिद निवासी झालरा पाटन (राजस्थान) व उसकी पत्नी जुलेखा ने हुसैन टेकरी क्षेत्र से लाकर देने के लिए कहा था। राशिद ने कहा था कि बच्चे लाने पर वह उन्हें अस्सी हजार रुपये देगा। उनके कहने पर वे कुछ दिन हुसैन टेकरी क्षेत्र आकर रहे। घटना वाले दिन दोनों बच्चे एक स्थान पर खड़े थे। उन्हें बिस्किट देने के लालच देकर बुलाया और साथ ले गए थे।

**नर्स ने मंगाए थे बच्चे–** राशिद व जुलेखा का नाम सामने आने पर उनकी खोजबीन की गई तो पता चला कि वे देवास में है। इसके बाद देवास से दोनों को हिरासत में लेकर जावरा लाया गया। पूछताछ में राशिद व जुलेखा ने बताया कि मेहसाणा (गुजरात) में स्थित एक क्लिनिक पर काम करने वाली नर्स मेहजबीन बी ने एक निसंतान दंपति को देने के लिए बच्चे लाकर देने का लिए कहा था। 40 वर्षीय नर्स मेहसाणा गुजरात की पहने वाली है। दोनों बच्चों को ले जाकर वे नर्स मेहजबीन को बेचने वाले थे।इसके बाद नर्स मेहजबीन को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपितों बच्चों के अपहरण के अन्य मामलों में भी पूछताछ की जा रही है।

## देवेंद्र फडणवीस ने ली सीएम पद की शपथ

### जूनियर की भूमिका में रहेंगे शिंदे व अजीत पवार

**इंदौर, 05 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति की महाजीत के बाद सरकार गठन को लेकर चल रही उठापटक भाजपा के वरिष्ठनेता देवेंद्र गंगाधर राव फडणवीस के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद थम गई।

परिणामों के 13 दिन बाद नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह गुरुवार में शाम 5:30 बजे मुंबई के आजाद मैदान में हुआ। सभी खबरों पर विराम लगाते हुए शिवसेना के नेता एकनाथ संभाजी शिंदे ने राज्य के उपमुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली। वह राज्य के देवेंद्र फडणवीस के बाद दूसरे मुख्यमंत्री हैं, जिन्होंने डिप्टी सीएम की शपथ ली है। एनसीपी के प्रमुख अजीत पवार ने छठी बार राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है। अजीत पवार ने अपने चाचा शरद पवार से बगावत कर एनसीपी को दो फाड़ कर दिया था। लोकसभा चुनाव में हार के बाद बैकफुट पर आए अजीत पवार ने विधानसभा चुनाव में जोरदार वापसी की। शपथ ग्रहण काफी भव्य हुआ, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित भाजपा के सभी राज्यों के मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री शामिल हुए। देशभर से 400 साधु-संतों को कार्यक्रम में शामिल हुए।

# बारह साल से ज्यादा पुरानी स्कूल बसों पर बैन

### ऑटो रिक्शा में बैठ सकेंगे ड्राइवर सहित केवल 4 लोग

**इंदौर, 05 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** 12 वर्ष से ज्यादा पुरानी स्कूल बसें अब सडक पर नहीं दौड सकेंगी। मप्र हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने सात वर्ष पहले हुए दिल्ली पब्लिक स्कूल बस हादसे को लेकर चल रही अलग-अलग जनहित याचिकाओं में बुधवार शाम एक साथ फैसला जारी करते हुए यह बात कही है।

कोर्ट ने कहा कि मोटर व्हीकल एक्ट में भी स्कूल बसों के लिए अलग से कोई गाइडलाइन नहीं है। ऐसे में जरूरी है कि जब तक मोटर व्हीकल एक्ट में संशोधन कर स्कूल बसों के लिए अलग से प्रविधान नहीं जोड़े जाते, तब तक कोर्ट खुद ही गाइडलाइन बना दे। इसमें 22 बिंदुओं को शामिल किया है। कोर्ट ने कलेक्टर और पुलिस अधीक्षकों को गाइडलाइन का पालन करवाने की जिम्मेदारी सौंपी है।

**सात साल पहले हुई थी चार बच्चों की मौत–** पांच जनवरी 2018 को डीपीएस की? बस छुट्टी के बाद बच्चों को घर छोड़ने जा रही थी। बायपास पर बस अनियंत्रित हो गई और डिवाइडर फांदते हुए ?दूसरे लेन में चल रहे ट्रक से जा टकराई। हादसे में चालक स्टियरिंग पर फंस गया। उसने वहीं दम तोड दिया। हादसे में चार बच्चों की भी मौत हो गई थी जबकि कई अन्य बच्चे घायल हो गए।

**यह गाइडलाइन बनाई कोर्ट ने–** ✻ स्कूल बस को पीले रंग से रंगा जाएगा और वाहन के आगे और पीछे स्कूल बस या आन स्कूल ड्यूटी लिखवाना होगा। स्कूल बस के बाहर दोनों तरफ स्कूल के वाहन प्रभारी का नाम, पता एवं टेलीफोन, मोबाइल नंबर लिखा होगा। ✻ स्कूल बसों की खिडकियों पर शीशों पर रंगीन फिल्म नहीं लगेगी। ✻ प्रत्येक स्कूल बस में फर्स्ट एड बाक्स और अग्निशमन यंत्र होगा। ✻ प्रत्येक स्कूल बस में आपात स्थिति से निपटने में प्रशिक्षित एक परिचारक होगा। ✻ ड्राइवर के पास स्थायी ड्राइविंग लाइसेंस और पांच वर्ष का अनुभव होना चाहिए। ऐसे ड्राइवर जिन्होंने एक वर्ष में दो से ज्यादा बार सिग्नल जंप किया है, वे स्कूल बस नहीं चला सकेंगे। जिस व्यक्ति का तेज गति से या शराब पीकर गाडी चलाने का एक बार भी चालान बना है वह भी स्कूल बस नहीं चला सकेगा। स्कूल प्रबंधन इस संबंध में ड्राइवर से शपथ पत्र लेगा। ✻ प्रत्येक स्कूल बस में सीट के नीचे स्कूल बैग रखने की जगह होगी। ✻ प्रत्येक बस में स्पीड गवर्नर लगा होगा। ✻ स्कूल बस में दाहिनी ओर एक आपातकालीन दरवाजा और गुणवत्ता वाला लाकिंग सिस्टम होगा। ✻ प्रेशर हार्न नहीं लगाया जाएगा। रात में स्कूल बसों के अंदर नीले बल्ब लगाना होंगे। ✻ कोई भी स्कूल बस 12 वर्ष से अधिक पुरानी नहीं होगी। ✻ छात्रों को लाने-ले जाने में लगे आटो में चालक सहित चार से अधिक व्यक्ति नहीं बैठ सकते हैं। ✻ प्रत्येक स्कूल बस में एक जीपीएस ट्रैकिंग सिस्टम और एक सीसीटीवी कैमरा होगा। अभिभावक वाहन को मोबाइल एप के माध्यम से ट्रैक और देख सकेंगे।

**हाईकोर्ट के दिशा–निर्देश का किया जाएगा पालन–** स्कूल बस के मामले में हाई कोर्ट के जो भी दिशा-निर्देश हैं, उनका पालन किया जाएगा।

**आशीष सिंह, कलेक्टर, इंदौर**

# बच्चों को अवश्य पिलाएं दो बूंद जिन्दगी की–मुख्यमंत्री

### 8 से 10 दिसम्बर तक 16 जिलों में चलेगा पल्स पोलियो अभियान

**मंदसौर, 05 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि 8 से 10 दिसंबर तक प्रदेश के 16 जिलों क्रमशः भिण्ड, भोपाल, छिंदवाडा, दतिया, ग्वालियर, इंदौर, कटनी, खरगोन, मंदसौर, नरसिंहपुर, नीमच, निवाडी, सतना, श्योपुर, टीकमगढ और विदिशा में पल्स पोलियो अभियान चलाया जायेगा। उन्होंने प्रदेश के समस्त नागरिकों से आहवान किया कि सब मिलकर परिवारों को प्रोत्साहित करें और नवजात बच्चों से लेकर 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पल्स पोलियों की 'दो बूंद जिन्दगी की' जरूर पिलाएं, जिससे भविष्य में पोलियों से पूर्ण मुक्ति मिल सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम सब जानते हैं कि पोलियो बच्चों में आजीवन दिव्यांगता पैदा करता है, यह बहुत कष्टप्रद बीमारी रही है। इससे बचाव का एकमात्र उपाय वैक्सीन ही है। वैक्सीन से ही बच्चे और भावी पीढियां सुरक्षित रहती हैं।

**पल्स पोलियो अभियान की जन चेतना रैली आज–** मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय पल्स पोलियों अभियान की जन चेतना रैली 6 दिसम्बर को निकाली जाएगी। रैली स्वास्थ्य विभाग एवं रोटरी क्लब के सौजन्य से जन चेतना रैली प्रातः 9.30 बजे से जिला चिकित्सालय परिसर से किया गया है। रैली जिला चिकित्सालय से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गो से होती हुई पूनः जिला चिकित्सालय परिसर पर समाप्त होगी।

## राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में चयन

**मंदसौर, 05 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** दशपुर विद्यालय खेल शिक्षक श्री देवेंद्र बैरागी ने जानकारी देते हुए बताया कि दशपुर विद्यालय के छात्र गर्व सिसोदिया का चयन बालक 17 वर्ष राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में चयन हुआ है। यह प्रतियोगिता दिनांक 04/12/2024 से अशोकनगर ग्वालियर में जारी है। छात्र की इस उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंधन ,प्राचार्य प्रिंस वी थॉमस ,सुपरवाइजर श्री हाकिमप्रसाद शर्मा एवं खेल प्रशिक्षक,श्री जयविजय सिंह सिसोदिया, श्री आकाश गाजवा, श्री नवीन खोखर, श्री कुणाल शर्मा एवं श्री भारत सिंह ने बधाई देते हुए इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

# एमपी में टेंडर लेने की शर्तें होगी कठिन

### 80 प्रतिशत से कम दर भरी तो देना होगी दो गुनी परफार्मेंर्स सिक्योरिटी की एफडी

**भोपाल, 05 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** अव्यावहारिक दरें डालकर टेंडर प्राप्त करने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के लिए 80 प्रतिशत से कम दरें डालने वाले निविदाकर्ताओ से अंतर की दोगुनी परफार्मेंर्स गारंटी ली जाएगी। इसके साथ ही बैंक गारंटी के स्थान पर फिक्स्ड डिपॉजिट रिसिप्ट के माध्यम से परफार्मेंर्स सिक्योरिटी लिए जाने पर भी लोक निर्माण विभाग विचार कर रहा है।

पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह ने प्रशासनिक अकादमी में निर्माण क्षेत्र में नवीन तकनीकों पर आधारित एक दिवसीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि महाराष्ट्र, तेलंगाना और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण भेज कर तीन अध्ययन दल से निविदा शर्तों का अध्ययन कराया गया। इन दलों से प्राप्त सुझावों को इस कार्यशाला में सम्मिलित करते हुए इन पर विस्तार से चर्चा की गई। अब इसी आधार पर निविदा शर्तों को ऐसा बनाया जाएगा कि सभी तरह के निर्माण कार्यों की गुणवत्ता में कोई गडबडी न हो। इससे निर्माण कार्यों को और अधिक पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण एवं अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।

**ठेके लेने की प्रवृत्ति पर लगेगा अंकुश–** सिंह ने कहा कि प्रस्तावित नई निविदा नीति से क्षमता से अधिक कार्यों के ठेके लेने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के लिए बिड कैपेसिटी संबंधी शर्तों को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। निविदाकर्ता के पास बैच मिक्स प्लांट, डब्लू एम एम मिक्स प्लांट एवं अन्य आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता संबंधी शर्त जोडने का सुझाव मिला है।

**दस्तावेज में सुधारों की गुंजाइश–** उल्लेखनीय है कि सभी निर्माण विभागों के लिए एक मानक निविदा दस्तावेज वर्ष 2014 में तैयार किया गया था। कालांतर में हुए तकनीकी विकास और नियमों में परिवर्तन के कारण इस दस्तावेज में अनेक सुधारों की गुंजाइश है। इस दौरान अपर मुख्य सचिव केसी गुप्ता एमडी एमपीआरडीसी अविनाश लावनिया,एमडी एमपीबीडीसी डॉ पंकज जैन,ईएनसी पीडब्ल्यूडी केपीएस राणा, ईएनसी (भवन) एसआर बघेल एवं ईएनसी भवन विकास निगम अनिल श्रीवास्तव सहित विभाग के अन्य सभी मुख्य अभियंता, वरिष्ठ अधिकारी एवं इंजीनियर उपस्थित रहे।

**क्या–क्या हो सकते हैं बदलाव–** ✻ दो करोड से अधिक लागत वाली सभी निविदाओं में प्री क्वालिफिकेशन शर्तें लागू की जाएं पूर्व में यह सीमा पांच करोड थी। ✻ अनुमानित लागत के 20 प्रतिशत के बराबर के तीन कार्यों के अनुभव के स्थान पर 40 प्रतिशत के तीन कार्यों को रखा जाए। ✻ निविदाकर्ता के पास उपलब्ध मानव संसाधन और उपकरणों के लिए न्यूनतम शर्तें जोडी जाएं। ✻ दो करोड से अधिक के सडक निर्माण कार्यों के लिए निर्माण स्थल पर गुणवत्ता परीक्षण लेब की स्थापना अनिवार्य की जाए। ✻ गुणवत्ता नियंत्रण के लिए समय-समय पर किए जाने वाले परीक्षणों, डामर की गुणवत्ता आदि से संबंधित शर्तें भी जोडी जाए।

## बरखेड़ा कामलिया में मतदान के लिए 9 को अवकाश घोषित

**नीमच, 05 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** म.प्र.राज्या निर्वाचन आयोग भोपाल द्वारा पंचायतों के उप निर्वाचन वर्ष 2024 (उत्तरार्द्ध) हेतु निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मतदान तिथि 9 दिसम्बर 2024 सोमवार को निर्धारित की गई हैं। पंचायतों के उप निर्वाचन वर्ष 2024(उत्तरार्द्ध) हेतु जहाँ निर्वाचन सम्पन्न होना हैं, संबंधित पंचायतों एवं निर्वाचन क्षेत्रों में निवास करने वाले शासकीय, अर्द्धशासकीय, शासकीय निगमों के कर्मचारियों, अधिकारियों के लिए मतदान के दिन 9 दिसम्बर 2024 को नीमच जिले की जनपद पंचायत जावद की ग्राम पंचायत बरखेडा कामलिया में सरपंच के निर्वाचन वाले क्षेत्र में एक दिन का सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया हैं। इस संबंध में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा द्वारा आदेश जारी कर दिया गया हैं।

# ताल विद्यालय की छात्राओं ने महाविद्यालय मंदसौर का विजिट किया

**मंदसौर, 05 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** शासकीय शिवशंकर पोलीटेक्निक महाविद्यालय के प्राचार्य ने बताया कि काउंसलिंग समिति अध्यक्ष,आयुक्त तकनीकी शिक्षा भोपाल के निर्देशानुसार महाविद्यालय में शत-प्रतिशतप्रवेश किये जाने के अंतर्गत शासकिय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ताल की 94 छात्राओं द्वारा विद्यालय के प्राचार्य श्री प्रमोदकुमार भट्ट के मार्गदर्शन में श्री विरेन्द्रसिंह सिसौदिया, श्री ओमप्रकाश परमार, श्री कैलाश देवचराया,श्रीसुनील चारोडिया, प्रिती शर्मा, ज्योति शर्मा, हर्षिता बैरागी, पम्पा धाकड इत्यादि के साथ शासकीय पोलीटेक्निक महाविद्यालय मंदसौर विजिट किया गया।

संस्था प्राचार्य डॉ. डी के शर्मा, विभागाध्यक्ष श्री योगेश पाटीदार, डॉ क्षितिज पाठक, श्री विकास सोलंकी, द्वारा विद्यार्थियों के अलग-अलग चार ग्रुप बना कर महाविद्यालय में विभिन्न ब्रांचों की लेब का भ्रमण करवाते हुए लेब में स्थापित उपकरण जैसे सेटेलाईट, सोलर एवं विंड उर्जा, एफएम, पेल्टन टर्बाइन, वेन्चुरी मिटर बायलर, लेथ मशीन, वेल्डिंग मशीन, ट्रांसफार्मर डीसी मोटर आदि के बारे में समझाते हुए संस्था में स्थापित 100 कम्प्युटरकी लेब का भ्रमण करवाया गया। प्राचार्य डॉ डी के शर्मा द्वारा संस्था में संचालित चार ब्रांच इलेक्ट्रानिक्स एण्ड टेलीकम्युनिकेशन, कम्प्युटर साईन्स, मैकेनिकल एवं इलेक्ट्रिकल इजी में प्रवेश, फिस एवं छात्रवृत्ति संबंधी जानकारी प्रदान की गई । गत वर्ष के उत्तीर्ण छात्रों के विभन्न कंपनियों में शत प्रतिशत रोजगार के संबंध में भी अवगत करवाया गया।

## श्री गुर्जर धार जिले के दौरे पर

**मंदसौर, 05 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी के निर्देशानुसार किसान नेता श्री महेन्द्र सिंह जी गुर्जर ने अपने प्रभार वाले जिले धार पहुंचकर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित संगठनात्मक बैठक में सम्मिलित होकर आगामी 16 दिसम्बर को विधान सभा घेराव कार्यक्रम में जिले से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर प्रभारी रघु परमार, सुरेश पँवार, जिला कांग्रेस अध्यक्ष कमल किशोर पाटीदार, विधायक प्रताप ग्रेवाल,प्रदेश सचिव सोहैल निसार, वरिष्ठनेता मुजीब कुरैशी, बालमुकुंद गौतम सहित बडी संख्या में कांग्रेसजनों ने भाग लिया।

### कलेक्टर को शिकायत के बाद भी तहसीलदार द्वारा...

# गौशाला एवं चरागाह हेतु प्रस्तावित भूमि से नहीं हटाया अवैध अतिक्रमण

**मंदसौर, 05 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** शासकीय जमीन पर अतिक्रमण एवं अवैध कब्जा करना आम बात है। ऐसा ही एक मामला ग्राम बनी तह.दलोदा जिला मंदसौर में सामने आया है वहां पर शासकीय गौशाला की एवं चरागाह हेतु प्रस्तावित भुमि पर गाँव के ही राजनेतिक संरक्षण प्राप्त लोगो ने अवैध रुप से अतिक्रमण कर रखा है। उक्त अतिक्रमण हटाने हेतु गौशाला के अध्यक्ष सोहनलाल पिता देवाराम धनोरा एवं सचिव नानालाल पिता विरमलाल धनगर ने गौशाला की भुमि सर्वे नम्बर 2391 रकबा 3.11 हे. एवं सर्वे क्रमांक 2393 रकबा 3.97 हे., सर्वे कमांक 2458 रकबा 2.22 हे. जो चरागाह हेतु प्रस्तावित है पर गाँव के ही राजनैतिक सरक्षण प्राप्त लोगो ने अवैध अतिक्रमण कर रखा है। जिसकी शिकायत गौशाला व सचिप एवं ग्रामीणो द्वारा तहसीलदार दलोदा को दिनांक 27 सितम्बर 2024 को की थी। जिस पर तहसीलदार ने कोई कार्यवाही नही की, इसके पश्चात एक शिकायत कलेक्टर मंदसौर को अध्यक्ष, सचिव द्वारा ग्रामीणो सहित दिनांक 06 नवम्बर 2024 को की, जिस पर भी आज दिनांक तक कोई कार्यवाही नहीं हुइ है। जिससेग्रामीणोमें काफी आक्रोश है। गौशाला एवं चरागाह हेतु आरक्षित भुमि पर ग्रामीणो द्वारा अवैध अतिक्रमण कर रखा है। अतिक्रमणकर्ता राजनैतिक सरक्षण प्राप्त व्यक्ति होने से तहसीलदार दलोदा द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है।

## केशव सत्संग भवन में गीता ज्ञान प्रवचन 8 से

**मंदसौर, 05 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। श्री केशव सत्संग मंडल न्यास मंदसौर के अध्यक्ष जगदीशचन्द्र सेठिया ने बताया कि श्री केशव सत्संग भवन खानपुरा पर पूज्यपाद स्वामी श्री नारायणानंदगिरजी महाराज वृंदावन धाम एवं अन्य संतों के मुखारविन्द से गीता ज्ञान प्रवचन दिनांक 8 से 11 दिसम्बर तक प्रातः 8.30 से 10 बजे तक होंगे।**

श्री केशव सत्संग भवन खानपुरा ट्रस्ट अध्यक्ष जगदीशचन्द्र सेठिया, सचिव कारूलाल सोनी, उपाध्यक्ष राधेश्याम गर्ग, जयप्रकाश गर्ग, कोषाध्यक्ष मदनकुमार गेहलोत, सहसचिव प्रवीण देवडा, न्यासीगण बंशीलाल टांक, प्रहलाद काबरा, सत्यनारायण सोमानी, जगदीशचन्द्र गर्ग, संतोष जोशी, जगदीशचन्द्र भावसार, महेश गर्ग अजय मित्तल, अजय सिखवाल, राजेश तिवारी, सूरजपालसिंह तोमर ने सभी धर्मालुजनों से प्रवचनों का लाभ लेने का निवेदन किया है।

## ✻ उठावना ✻

अत्यंत दुःख के साथ सूचित करने में आता है कि स्व मंगल प्रसाद श्रीवास्तव के छोटे भाई, मनीष, मनोज, मंगेश के चाचाजी, पंकज एवं राहुल के पिता श्री अनिल कुमार श्रीवास्तव आत्मज श्री महावीर प्रसाद श्रीवास्तव का श्रीजी शरण 4 दिसम्बर 2024 हो गया है, जिनका उठावना दिनांक 06/12/2024 शुक्रवार को प्रातः 11 बजे निज निवास, 66 मंगल भवन गोल चौराहा बालागंज रोड मन्दसौर पर रखा है।

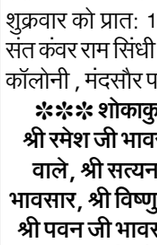

**✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻**
**श्रीवास्तव परिवार**
**9827713393, 9826643831, 9926668369**

## संयुक्त उठावना संदेश

अत्यंत दुख के साथ सूचित किया जाता है कि स्वर्गीय श्री सालग़रामजी भावसार के छोटे भाई, श्री अशोक जी भावसार के काका जी, श्री नरेंद्र जी भावसार के पूज्य पिताजी , श्री राहुल, नैना, ग़हना एवं मनस्वी के पूज्य दादाजी श्री सत्यनारायण जी भावसार पटेल (सोनू डिस्पोजल वाले) का आज आकस्मिक देवलोकगमन हो गया था। जिनका परिवार पक्ष की ओर से व ससुराल पक्ष की ओर से संयुक्त उठावना दिनांक 6 दिसंबर 2024 शुक्रवार को प्रातः 10:30 बजे श्री संत कंवर राम सिंधी धर्मशाला, प्रेम कॉलोनी , मंदसौर पर रखा गया है।

**✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻**
**श्री रमेश जी भावसार रेडीमेड वाले, श्री सत्यनारायण जी भावसार, श्री विष्णु जी भावसार, श्री पवन जी भावसार खानपुरा मंदसौर**

## कार्यालय नगर परिषद नगरी, जिला-मंदसौर (म.प्र.)

Phone & fax-(07422)266033 and Email ID-cmonagri@mpurban.gov.in

क्रमांक/2213/निर्माण/2024 नारायणगढ़, दिनांक-06.12.2024

### ✻✻ निविदा आमंत्रण सूचना ✻✻

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

| क्रं. | आनलाईन टेण्डर नम्बर | कार्य का नाम | कार्य की समयावधि एवं लागत | निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ईएमडी | निविदा की अंतिम तिथि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 1 | 2023_UAD_386149_1 | MRF Copposting Plant Contraction Work | 1. 90 Days 2. 641737/- | 1. 2000/- 2. 6417/- | Tender purchase and submit date 06.12.2024 to 23.12.2024 Open date-25.12.2024 |

नोट – निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाईड पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर परिषद नगरी

## ✻ पूजारी चाहिए ✻

### श्री हरिहर धाम

वेदांत विहार, लक्ष्मी नगर, अभिनंदन रोड, मंदसौर मंदिर में विराजित दिव्य प्रतिमाओं के पूजन और आरती के लिए पूजारी की आवश्यकता है।

✻✻ संपर्क समय ✻✻
दोपहर 2 बजे से शाम 06 बजे तक
मो. 9424033322, 9425105927, 9340060227

## न्यायालय पंजीयक लोक न्यास एवं अनुविभागीय अधिकारी उपखण्ड मंदसौर, जिला मंदसौर

**प्रकरण क्रमांक 05/बी-113(1)/24-25**
**नियम चार**
**(नियम 5(1) देखिये)**
**सूचना-पत्र**
**मध्यप्रदेश लोक न्यास अधिनियम 1951 (1951 की 30) की धारा 5 की उपधारा (2) और मध्यप्रदेश लोक न्यास नियम, 1962 का नियम 5(1) देखिये**
**पंजीयक, लोक न्यास मंदसौर जिला मंदसौर के समक्ष**

### श्री सौधर्म वृहत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक श्री आदिनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर श्री संघ, अमलावद, तह. व जिला मंदसौर

चूकि श्री सौधर्म वृहत्तपोगच्छीग त्रिस्तुतिक श्री आदिनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर श्री संघ, अमलावद, तह. व जिला मंदसौर ने मध्यप्रदेश लोक न्यास अधिनियम 1951(1951का 30) धारा 4 के अधीन अनुसूची ने लोक न्यास की तरह विनिर्दिष्ट की गई सम्पति के पंजीयन के लिये आवेदन किया है। एतद द्वारा सूचना दी जाती है कि आवेदन मेरे न्यायालय में दिनांक 24.12.2024 को विचार के लिये लिया जायेगा। कोई व्यक्ति जो उक्त न्यास या सम्पति में हित रखता हो और उसके बारे में की आपत्ति करने या सुझाव देने का विचार रखता हो उसे इस सूचना लोक न्यास है और उसका गठन करता/करती है।

अतः शिवलाल शाक्य पंजीयक, लोक न्यास मंदसौर जिला मंदसौर का लोक न्यासो का पंजीयक, अपने न्यायालय में दिनांक 24.12.2024 को उक्त अधिनियम की धारा 5 की उपधारा (1) के द्वारा अपेक्षित लांच करना प्रस्तावित करता हूं। अतः एतद द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त न्यास या सम्पत्ति का कोई न्यासधारी या कार्यकारी न्यासधारी उसमे हित रखने वाले और किसी आपत्ति का सुझाव प्रस्तुत करने का विचार रखने वाले व्यक्ति को इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक से एक मास के भीतर दो प्रतियों में लिखित कथन प्रस्तुत करे और कोर्ट में मेरे समक्ष उपरोक्त दिनांक को या व्यक्तिशः अभिभाषक के द्वारा उपस्थित होना चाहिये। उपरोक्त अवधि समाप्ति के पश्चात प्राप्त आपत्तियो का विचार के लिये ग्रहण नहीं किया जाएगा।

**संपत्ति का विवरण**

(अ) अचल संपत्ति – दो कृषि भूमि हस्ते सुरजमल पिता मन्नालाल कर्नावट एवं बागमल रखबदास नाहर द्वारा 1. ग्राम सेजपुरिया में दिनांक 16.4.1971 में भागीरथ पिता सुखाजी जाति कुमावत निवासी सेजपुरिया से रकबा 6 बीघा (1254आरी) जमीन एवं 2. ग्राम अमलावद में वर्ष 1975-76 से रकबा 1.693 (आरी) कृषि भूमि क्रय की गई जो वर्तमान, न्यास की सम्पत्ति है।

(ब) चल संपत्ति – 3 लाख

(शिवलाल शाक्य)
पंजीयक, लोक न्यास एवं अनुविभागीय अधिकारी, मंदसौर

नोट– नोटिस सूचना पत्र की प्रति पंजीयक लोक न्यास के नोटिस बोर्ड पर, तहसील कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर, मंदसौर नगरपालिका के नोटिस बोर्ड पर सार्वजनिक सील पर एवं अपेक्षित ट्रस्ट स्थल पर चस्पा करें।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in